WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

इंटरनेट पर तहलका मचा रही है कैटरीना कैफ की लेटेस्ट तस्वीर

वर्षः 01 अंक : 273 | लखनऊ, मंगलवार, 22 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

नए कृषि सुधारों ने किसानों को ताकतवर गिरोहों से दिलाई आजादी

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद से कल देश के किसानों को नये अधिकार देने वाले पारित कानूनों को 21वीं सदी के भारत की जरूरत बताया और कहा कि यह बदलाव किसान और कृषि मंडियों के खिलाफ नहीं है बल्कि देश के उन ताकतवर गिरोहों से किसानों को छुटकारा दिलाने के लिए है जो अब तक उनकी मजबूरी का फायदा उठा रहे थे।

श्री मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार में राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच) एवं सेतु निर्माण की नौ परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश की संसद ने कल देश के किसानों को नये अधिकार देनेवाले बहुत ही ऐतिहासिक कानूनों को पारित किया है। ये सुधार 21वीं सदी के भारत

की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि देश में अब तक उपज और बिक्री की जो व्यवस्था चली आ रही थी तथा जो कानून थे, उसने किसानों के हाथ-पांव बांध रखे थे। इन कानूनों की आड़ में देश में ऐसे ताकतवर गिरोह पैदा हो गये थे, जो किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे थे। आखिर ये कब तक चलता रहता। इसलिए, इस व्यवस्था में बदलाव करना आवश्यक था और ये बदलाव उनकी सरकार ने करके दिखाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बड़े व्यवस्था परिवर्तन के बाद कुछ लोगों को अपने हाथ से नियंत्रण जाता हुआ दिखाई दे रहा है इसलिए अब ये लोग न्यूनतम समर्थन (एमएसपी) मूल्य पर लोगों को गुमराह करने पर जुटे हुए हैं। ये वही लोग हैं जो वर्षों तक एमएसपी पर स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को अपने पैरों के नीचे दबा कर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि वह देश के प्रत्येक किसान को इस बात का भरोसा दिलाते हैं कि एमएसपी की व्यवस्था जैसे पहले से चलती आ रही थी वैसी ही आगे भी जारी रहने वाली है। इसी तरह हर मौसम में सरकारी खरीद के लिए जिस तरह से अभियान चलाया जाता रहा है वह भी पहले की तरह चलते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने बिहार को दी 14260 करोड़ के एनएच और सेतु की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से आज राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) एवं सेतु निर्माण के लिए राज्य को 14260 करोड़ रुपये की नौ परियोजनाओं की सौगात दी। श्री मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार में एनएच एवं सेतु निर्माण की नौ परियोजनाओं का शुभारंभ किया। में 1150 करोड़ रुपये की लागत वाली एनएच-31 के बख्तियारपुर-रजौली 47.23 किलोमीटर खंड के चार लेन चौड़ीकरण (पैकेज-2), 2651 करोड़ रुपये की एनएच-31 के बख्तियारपुर-रजौली 50.83 किलोमीटर खंड के चार लेन चौड़ीकरण (पैकेज-3), 886 करोड़ रुपये की एनएच-30 के आरा-मोहनिया 54.53 किलोमीटर खंड का चौड़ीकरण (पैकेज-1) शामिल है। प्रधानमंत्री ने 856 करोड़ रुपये की लागत वाली एनएच-30 के आरा-मोहनिया 60.80 किलोमीटर खंड के चार लेन चौड़ीकरण (पैकेज-2) तथा 2288 करोड़ रुपये की एनएच-131(ए) के नरेनपुर-पूर्णिया 49 किलोमीटर खंड के चार लेन चौड़ीकरण, 913 करोड़ रुपये की एनएच-131(जी) के रामनगर-कन्हौली 39 किलोमीटर खंड (पटना रिंग रोड) के छह लेन चौड़ीकरण कार्य का शुभारंभ किया।

रबी की छह फसलों की एमएसपी बढ़ायी सरकार ने

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आगामी मौसम के लिए रबी की छह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोत्तरी करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की आज यहां हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। संसद से कृषि सुधारों के दो विधेयकों 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020' तथा 'कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा करार विधेयक 2020' पारित होने के बाद लिये गये इस निर्णय के बारे में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने लोकसभा को इसकी जानकारी दी। श्री तोमर ने कहा कि रबी की बुवाई के पहले ही सरकार ने गेहूं की एमएसपी 50 रुपए बढ़ा कर 1975 रुपए प्रति क्विंटल, चना की एमएसपी 225 रुपए बढ़ा कर 5100 रुपए प्रति क्विंटल, मसूर की एमएसपी 300 रुपए बढ़ा कर 5100 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों की एमएसपी 225 रुपए बढ़ाकर 4650 रुपए प्रति क्विंटल, जौ की एमएसपी 75 रुपए बढ़ाकर 1600 रुपए प्रति क्विंटल तथा कुसुम्भ की एमएसपी 112 रुपए बढ़ा कर 5327 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। उन्होने कहा कि वर्ष 2013-14 में मसूर की एमएसपी 2950 रुपए प्रति क्विंटल थी।

भिवंडी हादसा, मृतक संख्या 11 हुई 5 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के भिवंडी में सोमवार तड़के एक बहु-मंजिला इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गयी। इस बीच ठाणे जिले के प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे हादसे के कुछ घंटों के भीतर ही घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मलबे के नीचे फंसे 13 लोगों को बचा लिया जाने की पुष्टि की और उनमें से कुछ को अस्पताल भेजे जाने की जानकारी दी। श्री शिंदे ने मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा करते हुए कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जायेगी। उन्होंने एनडीआरएफ के चल रहे बचाव कार्यों की निगरानी करते हुए बताया कि भिवंडी के पावरलूम शहर में कुल 102 खतरनाक इमारतों को पहले ही खाली कर दिया गया है। भिवंडी पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे ने बताया कि नागरिक अधिकारियों की शिकायत के आधार पर भवन के मालिक सैय्यद अहमद जिलानी के खिलाफ भादंवि की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। भिवंडी निजामपुर नगर निगम के प्रमुख पंकज आशिया ने बताया कि क्षतिग्रस्त बिल्डिंग को मरम्मत की जरूरत थी, लेकिन कोविड??-19 संकट के कारण काम नहीं किया जा सका।

राज्यसभा में विपक्ष के आठ सदस्य निलम्बित

नयी दिल्ली। राज्यसभा में अमर्यादित आचरण करने के लिए विपक्ष के आठ सदस्यों को सत्र की शेष अवधि के लिए सोमवार को निलम्बित कर दिया गया। सभापति एम वेंकैया नायडु ने शून्यकाल के बाद तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन , कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन , रिपुण बोरा , राजीव सत्व , आम आदमी पार्टी के संजय सिंह , मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के के के रागेश और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इलामारम करीम को चालू सत्र की शेष अवधि के लिए निलम्बित करने की घोषणा की।

श्री नायडु ने कहा कि निलम्बित सदस्य सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होंगे और वे सदन से बाहर चले जायें । इसके बावजूद सभी सदस्य सदन में डटे रहे और निलम्बन की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी और हंगामा करने लगे । इसके बाद नौ बजकर चालीस मिनट पर सदन की कार्यवाही दस बजे के लिए स्थगित कर दी गयी।

कोरोना को परास्त करने के लिए आवश्यक है कि हम एक कदम आगे की रणनीति रखें

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना को परास्त करने के लिए आवश्यक है कि हम एक कदम आगे की रणनीति रखें। इसके लिए जनपद मुख्यालय से लेकर ब्लॉक स्तर तक कोविड-19 के नियंत्रण और उपचार की प्रत्येक कड़ी को मजबूत रखा जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 एक नई बीमारी के रूप में दुनिया के सामने आयी है। इसलिए कोविड-19 को परास्त करने की हमारी रणनीति भी विशेष होनी चाहिए। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कोविड-19 के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं कर रही है। उन्होंने प्रत्येक जनपद में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी को कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं

को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने जनपद लखनऊ और कानपुर नगर पर विशेष ध्यान देते हुए चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रभावी और कारगर रणनीति बनाते हुए उसे लागू किया जाए। स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक स्तर पर मॉनिटरिंग करते हुए रिकवरी दर को बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता और बैकअप की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑक्सीजन की आपूर्ति किसी भी दशा में बाधित न होने पाए। उन्होंने ऑक्सीजन की काला बाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मेडिकल टेस्टिंग, डोर-टू-डोर सर्वे तथा कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित करने पर बल देते हुए कहा कि कोविड-19 के नियंत्रण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का कार्य प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए टेऊसिंग के दायरे में आने वाले सभी लोगों की मेडिकल टेस्टिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में जनता को निरन्तर जागरूक किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परम्पराओं में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने से सम्बन्धित अनेक तथ्य उपलब्ध हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में बीमारियों से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने पर बल दिया जाता है।

केरल में भारी बारिश, 10 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल में सोमवार को भारी बारिश जारी है और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और पड़ोस में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के बाद 10 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कोट्टयम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़, मालापुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कुंडला, कल्लारकुट्टी, मलंकारा और पोनमुडी बांध के दरवाजे खोल दिए गए हैं जिससे पेरियार, मुतीरापुझा और मुवाट्टुपुझा नदियों में जलस्तर बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया, रविवार को तिरुवनंतपुरम में एक व्यक्ति की मौत हुई। भारी बारिश और तेज हवा की वजह से टूटे बिजली के तार की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। प्राधिकरण ने बताया, हमें सोमवार सुबह में कासरगोड में भी एक व्यक्ति की मौत की खबर मिली है लेकिन अभी तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

उमर खालिद ने मांगी परिजनों से मिलने की इजाजत, याचिका खारिज

दिल्ली की एक अदालत ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उसने पुलिस हिरासत के दौरान अपने परिवार से मिलने की इजाजत मांगी थी। उमर को सख्त आतंकवाद रोधी कानून, गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में फरवरी में सांप्रदायिक हिंसा की बड़ी साजिश के मामले में खालिद 24 सितंबर तक 10 दिन की पुलिस हिरासत में है। उसे 13 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और अगले दिन अदालत ने पूछताछ के लिए उसे पुलिस को सौंपते हुए कहा था कि यह पुलिस हिरासत का उपयुक्त मामला है। पुलिस ने कहा था कि वह इस मामले में 11 लाख पन्नों वाले दस्तावेज से उसका सामना कराना चाहती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने परिवार से मुलाकात संबंधी उसकी याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह विचार योग्य नहीं है। न्यायाधीश ने 19 सितंबर को अपने आदेश में कहा कि तथ्यों को पूर्णता में देखते हुए और मामले की परिस्थितियों पर गौर करने के बाद मुझे यह आवेदन विचार योग्य नजर नहीं आता तथा याचिका को खारिज किया जाता है। अपने वकील के जरिए दायर याचिका में खालिद ने कहा था कि हिरासत में लिए जाने के दौरान पुलिस की तरफसे मौखिक रूप से आश्वासन दिया गया था कि उसे परिवार से मिलने की इजाजत दी जाएगी लेकिन इजाजत नहीं दी जा रही।

राज्यसभा के आठ सदस्य निलंबित कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में अमर्यादित आचरण करने के लिए कांग्रेस के राजीव सातव, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत विपक्ष के आठ सदस्यों को सोमवार को सात दिन के लिए निलम्बित कर दिया गया जिसके कारण सदन में भारी हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सभापति एम. वेंकैया नायडू ने शून्यकाल के बाद तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन , कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन , रिपुन बोरा , राजीव सातव , आम आदमी पार्टी के संजय सिंह , मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के के. के. रागेश और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इलामारम करीम को निलम्बित करने की घोषणा की । कल सदन में कृषि सुधार से संबंधित दो विधेयको को पारित कराने की प्रक्रिया के दौरान विपक्ष के सदस्यों

ने भारी हंगामा किया था और अव्यवस्था के बीच ही इन विधेयको को पारित कर दिया गया था । विपक्ष ने विधेयको पर मतविभाजन की मांग की थी। श्री नायडू ने कहा कि निलम्बित सदस्य सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होंगे और वे सदन से बाहर चले जायें। इसके बावजूद कांग्रेस , आप और तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सदन के बीच में आ गये और नारेबाजी करने लगे और सभी सदस्य सदन में डटे रहे। इससे नौ बजकर चालीस मिनट पर सदन की कार्यवाही दस बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। श्री नायडू ने कहा कि कल कृषि सुधार से संबंधित विधेयकों को पारित किये जाने के दौरान कुछ सदस्य सभापति के आसन के निकट पहुंच गये, माइक उखाड़ दिया और कागज फेंके।

एमएसपी देने का उल्लेख कानून में करे सरकारः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने राज्यसभा से आठ सदस्यों के निलम्बन को सरकार की तानाशाही करार देते हुए आरोप लगाया है कि वह किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली खत्म कर रही है और यदि उसकी मंशा ठीक है तो एमएसपी देने का उल्लेख कानून में किया जाना चाहिए। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा राज्यसभा सदस्य प्रातपसिंह बाजवा ने यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार संसदीय ढांचे पर हमला कर रही है और संसद में तानाशाही अपना रही है। उसके तानाशाही रवैये का परिणाम है कि राज्यसभा से आठ विपक्षी सदस्यों को बिना बजह निलम्बित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये सदस्य किसान विरोधी कानून के खिलाफ आवाज उठा रहे थे लेकिन उपसभापति ने उनकी बात नहीं सुनी। विपक्षी सदस्यों ने जब मत विभाजन मांगा तो उनको यह अधिकार नहीं दिया गया। उन्होंने इसे तानाशाही करार दिया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक प्रणाली को ध्वस्त कर तानाशाही अपना रही है और संसद में मनमानी कर रही हे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार कहती है कि इस कानून से एमएसपी को नुकसान नहीं होगा और यह व्यवस्था बराबर बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि उसकी नियत सही है तो उसे किसानों को इसकी गारंटी देनी चाहिए और यह उल्लेख कानून में करना चाहिए कि किसानों को एमएसपी दिया जाएगा और जो कंपनी इसका उल्लंघन करेगी उसको दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के काले अध्यादेश किसानों को लगातार गुलामी की तरफ लेकर जा रहे हैं। उनका कहना था कि यह सरकार अपने काले अध्यादेशों में न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की गारंटी दे पा रही है और न ही फसलों के बाजार मूल्य का आश्वासन दे रही है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा चंद पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही है। उसके किसान विरोधी फैसले देश के किसानों के लिए मृत्यु दंड जैसे साबित हो रहे हैं।

तीसरे दिन भी कोरोना को मात देने वालों की संख्या नये मामलों से अधिक

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी को मात देने वालों की संख्या लगातार तीसरे दिन नये मामलों से अधिक रही और पिछले 24 घंटों के दौरान 93 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए जिसे मिलाकर अब तक इस संक्रमण से निजात पा चुके लोगों का आंकड़ा 44 लाख के करीब पहुंच गया है। इससे पहले शनिवार को कोरोना से निजात पाने वालों की संख्या रिकार्ड 95,880 रही जबकि रविवार को 94,612 लोग स्वस्थ हुए थे। रोगमुक्त होने वालों की दर 80.12 प्रतिशत हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 18. 28 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 1.60 फीसदी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 93,356 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक कोरोना

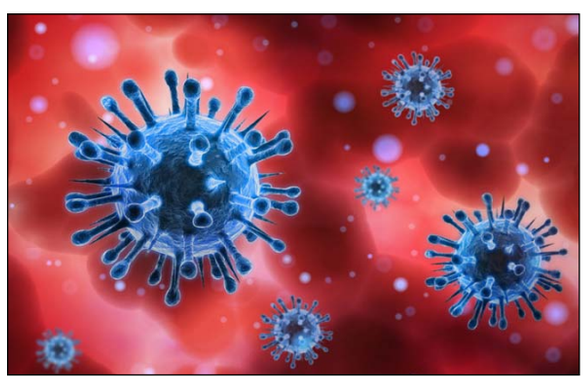

मुक्त होने वालों की संख्या 43,96,399 हो गयी है। इस दौरान 86,961 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 54,87,580 पर पहुंच गया। इसी अवधि में 1130 मरीजों की मौत हो गयी। देश में अब तक 87,882 कोरोना संक्रमित अपनी जान गंवा चुके हैं। संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 7525 की कमी आयी है और अब यह 10,03,299 हो गयी है। सक्रिय मामले शनिवार को 3790 और रविवार को 3140 कम हुए थे। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 6236 और उसके बाद आंध्र प्रदेश में 2927 मरीज कम हुए हैं। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 6236 कम होकर 2,91,630 रह गये हैं जबकि 455 लोगों की और मौत होने से मृतकों की संख्या 32,671 हो गयी है। इस दौरान 26,408 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 8,84,341 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 521 की कमी हुई है और राज्य में अब 96,062 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8023 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,13,452 लोग स्वस्थ हुए हैं।

विपक्षी सांसदों का निलंबन सरकार की तानाशाही मानसिकताः ममता

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कृषि संबंधी विधेयकों को पारित कराने के दौरान हंगामा करने वाले विपक्ष के आठ सांसदों को शेष सत्र के लिये निलंबित किये जाने को सरकार की तानाशाही मानसिकता का परिचायक बताते हुए सोमवार को इस लड़ाई को सड़क से संसद तक लडने का ऐलान किया। राज्यसभा में रविवार को कृषि विधेयकों पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के सांसदों ने जमकर हंगामा किया था। सभापति एम. वेंकैया नायडू इस की घटना से नाराज दिखे और कड़ी कारवाई करते हुए हंगामा करने वाले आठ सांसदों को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। बनर्जी ने सांसदों के निलंबन को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा, च्च् किसानों के हितों की आवाज उठा रहे आठ सांसदों का निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण है और यह सरकार की तानाशाही सोच को दर्शाता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का सम्मान नहीं करती है।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले की सुनवाई 25 सितंबर तक टली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर सौदे में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दायर पूरक आरोप पत्र के संज्ञान पर मामले की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शनिवार को मामले के सिलसिले में कथित बिचौलिए क्रिश्चन मिशेल और राजीव सक्सेना सहित 15 आरोपियों के खिलाफपूरक आरोप पत्र दायर किया था। दिल्ली के राउस एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने कहा कि वह 25 सितंबर को चार्जशीट के संज्ञान पर आदेश देंगे। पूरक चार्जशीट में सीबीआई ने संदीप त्यागी, प्रवीण बख्शी, प्रताप कृष्ण अग्रवाल, आईडीएस इन्फ्रोटेक लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक, नरेंद्र कुमार जैन, कोलकाता के राजेश कुमार जैन, ओम मेटल्स इन्फ्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक सुनील कोठारी, मिशेल के करीबी सहयोगी कुन्हिकृष्णन

को नामजद किया है। एजेंसी ने सक्सेना, इंटरस्टेलर टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड के तत्कालीन निदेशक, जियाकोमिनो सपनारो, अगस्ता वेस्टलैंड इंटरनेशनल लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक, दीपक गोयल, गौतम खेतान के एक अधिकारी, आईडीएफसी इन्फ्रोटेक लिमिटेड, एयरोमेट्रिक्स इन्फ्रो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, नील माधव कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, मैनक एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड, और इंटरस्टेलर टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड को भी नामजद किया है। सीबीआई ने दूसरी चार्जशीट में किसी राजनेता या वरिष्ठ नौकरशाह को नामजद नहीं किया है। सीबीआई ने इससे पहले, मामले में 1 सितंबर, 2017 को तत्कालीन एयर चीफ मार्शल त्यागी और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

भर्ती मामले में सफेद झूठ बोल रही सरकार

❑ जन सूचना अधिकार में मिली जानकारी में दर्जनों विभागों में 30 से 40 प्रतिषत पद रिक्त ❑ अधिकारी से लेकर निचले स्तर तक बड़ी संख्या में रिक्त पद

लखनऊ, संवाददाता। कर्मचारी, शिक्षक एवं अधिकारी, पेंशनर्स अधिकार मंच ने सरकार ने सरकार की तरफ से भर्ती के बारे में दिए जा रहे आकड़ा को सिरे से खारिज कर दिया है। मंच के अध्यक्ष डा. दिनेश चन्द्र शर्मा, प्रधान महासचिव सुशील कुमार त्रिपाठी तथा हरि किशोर तिवारी ने पत्रकारों से सामुहिक बातचीत के दौरान बताया कि सरकार अपने साढ़े तीन साल के भर्ती मामले के जो आकड़ें बता रही है वह गलत है।

जन सूचना अधिकार के तहत दी गई जानकारी में इसका खुलासा होता है। सहकारिता, दिव्यांग सशक्तीकरण, कर्मचारी बीमा जन चिकित्सा, वाणिज्य कर, वाणिज्यकर मुख्यालय, सर्तकता जैसे दर्जनों विभागों में 30 से 40 प्रतिषत पद लम्बे अरसे से खाली पड़े है। पत्रकार वार्ता में मौजूद मंच के संरक्षक बाबा हरदेव सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.के. सिंह, सतीश कुमार पाण्डेय, एन.पी. त्रिपाठी, यादवेन्द्र मिश्रा, वीरेन्द्र सिंह चौहान, शिवबरन सिंह यादव, रामराज दुबे और सुशील कुमार बच्चा ने संयुक्त रूप से बताया कि सरकार अपने कार्यकाल में भर्ती मामले में खुला झूठ बोल रही है। इसका उदाहरण हम कुछ ऐसे विभाग की रिक्तियों के आधार पर देगे जिन विभागों का जनता से सीधा सरोकार ही नही बल्कि ये विभाग संवेदनशील है। कलेक्ट्रेट के 243 सीजनल सहायक वासील वाकी नबीसों को विनियमतीकरण का प्रकरण शासन में काफी समय से लम्बित है। भर्ती के पहले इस पर आदेश होना आवश्यक है। मुख्य सचिव की बैठक में नियमावली पूर्ववत लागू करने का आदेश हुआ जो अभी भी शासन में लम्बित है।

बिना नियमावली संशोधन के भर्ती प्रक्रिया दूशित रहेगी। सहकारिता विभाग सीधे कृशकों एवं ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है। इस विभाग में वर्तमान सरकार के सत्तासीन होने तक सहायक सांख्यिकी अधिकारी के कुल स्वीकृत 35 पदों के सापेक्ष मार्च 2020 तक रिक्तयॉ 33 हो गई यानि केवल दो अधिकारी तैनात है। अब बात करें दिव्यांगजन संशक्तिकरण विभाग यानि विकंलाग कल्याण विभगा जो अति संवेदनषील विभाग है, लगभग हर सरकार की तरह यह सरकार भी दिव्यांगो के बारे में संवेदनशील होने का दावा करती है लेकिन जब विभाग में खाली पदेां को देखा जाता है तो सरकार के दावे खोखले लगते है। सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी में बताया गया कि विभाग में निदेशक, मुख्य वित्त लेखाधिकारी, संयुक्त निदेशक, सहायक लेखाधिकारी के सभी पद रिक्त पड़े है। जबकि उप निदेशक के 13 में से 12 पद रिक्त है। अधीक्षक के 18 में से 12 पद रिक्त है। जिला विकंलाग जन विकास अधिकारी के 75 पदों में से 36 पद रिकत, प्रवक्ताओं के 48 में से 19 पद रिक्त पड़े है। चौकाने वाली बात यह है कि कुल 757 स्वीकृत पदो के सापेक्ष 343 पद रिक्त पड़े है। कुछ और उदाहरणों में संस्थागत वित्त, बीमा एवं बाह्य सहायियत परियोजना विभाग का हाल भी बुरा है। विभाग में 148 पदों के सापेक्ष 72 पद रिक्त पड़े है। वाणिज्य कर के निरीक्षक पदों में 278 के सापेक्ष 45 पद रिक्त पड़े है। नागरिक सुरक्षा निदेषालय की बात करे तो यहॉ उप निदेशक के 80 में से 76 पद रिक्त पड़े है। सर्तकता जैसे सरकार के महत्वपूर्ण अंग कहे जाने वाले विभाग में अधिकारी संवर्ग के 97 में से 66 पद, तृतीय श्रेणी के 603 में से 362 पदों के अलावा चतुर्थ श्रेणी की स्थिति तो बहुत खराब है कुल स्वीकृत पद 59 के सापेक्ष 43 पद रिक्त पड़े है। मंच के नेताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार लगातार कर्मचारी, शिक्षक, अधिकारी और पेंशनर्स विरोधी तथा उन्हें अपमानित करने वाले निर्णय लेती आ रही है।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त हुए आदित्य चौधरी

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की संयुक्त सचिव व एनएसयूआई की राष्ट्रीय प्रभारी रुचि गुप्ता व एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन द्वारा लखनऊ निवासी व लखनऊ के पूर्व जिला अध्यक्ष आदित्य चौधरी को एनएसयूआई का राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत किया है। आदित्य चौधरी को एनएसयूआई का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त होने पर कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह एमएलसी, उ.प्र कांग्रेस कमेटी के प्रभारी प्रशासन सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव अनूप गुप्ता एवं दिनेश सिंह, प्रदेश सचिव मनोज तिवारी, एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव शौर्यवीर सिंह, सोशल मीडिया चेयरमैन मनोज लुबाना, वाइस चेयरमैन हर्ष बिसारिया, अल्पसंख्यक विभाग के चौधरी सलमान कादिर व तमाम वरिष्ठ नेताओं ने आदित्य चौधरी को बधाई दी है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने प्रतियोगी युवाओं से किया संवाद, कहा युवाओं के साथ हो रहा अन्याय

यूपी के युवा हताश और परेशान, सरकार पक्की डेडलाइन बताये
भर्तियों में देरी, उन्हें अटकाना- भटकाना युवाओं के साथ अन्याय है

दिल्ली / लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव श्रीमती प्रियंका गाँधी प्रतियोगी युवाओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करके उनका दर्द साझा कर रहीं हैं। महासचिव ने आज ग्राम विकास अधिकारी और दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों से बातचीत की। गौरतलब है कि ग्राम विकास अधिकारी की परीक्षा 2018 में हुई थी लेकिन अभी तक प्रतिभागियों की नियुक्ति नही हुई है। दारोगा भर्ती 2016 से लटकी पड़ी है। कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी श्रीमती प्रियंका गाँधी ने बेरोजगार युवा प्रतिभागियों से ऑनलाइन संवाद के बाद अपने ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी भी शेयर की। कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गाँधी ने ट्वीट करते करते हुए कहा कि युवा आक्रोश के बाद जागी यूपी सरकार आज बैठक कर भर्तियों पर विचार कर रही है। युवा जानना चाहते हैं कि सरकार गंभीर होकर प्रत्येक भर्ती के लिए सभी मसले सुलझाकर नियुक्ति की पक्की डेडलाइन का ब्योरा रखेगी या नहीं? भर्तियों में देरी, उन्हें अटकाना-भटकाना युवा के साथ अन्याय है। यह बंद करिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने दूसरा ट्वीट करते हुए लिखा कि वीडीओ 2018 के युवा प्रतिभागियों से संवाद में उन्होंने बताया कि यह लोग परीक्षा दे चुके हैं, रिजल्ट आ चुका है लेकिन नियुक्ति नहीं मिली। सरकार नहीं बताती कि नियुक्ति क्यों रुकी है। भर्तियों पर हो रही सरकार की मीटिंग से इन्हें न्याय मिलना चाहिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने एसआई भर्ती के प्रतिभागियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के बादट्वीट करते हुए लिखा कि यूपी में एसआई भर्ती के लोगों से आज संवाद किया। एक बात कॉमन है कि सरकार की तरफ से न तो कोई साफ़ कम्युनिकेशन है और न ही कोई डेडलाइन। येनकेन प्रकारेण भर्ती प्रक्रिया फँस जाती है या फँसा दी जाती है। सरकार को युवाओं को रोजगार का हक देना चाहिए न कि यह चिंता कि कब मिलेगी उनके हक की भर्ती।

अस्पताल से उठा राकेश पाण्डेय का एनकाउंटर, साक्ष्य नष्ट का प्रयास!

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने 09 अगस्त 2020 को सरोजिनीनगर, लखनऊ में एसटीएफद्वारा राकेश उर्फहनुमान पाण्डेय के एनकाउंटर मामले में नया खुलासा करते हुए बताया कि घटना की रात राकेश पाण्डेय श्री साईं अस्पताल, गुडंबा में भर्ती थे जहाँ वे अपना इलाज करा रहे थे. वहीं रात करीब 02.30 बजे 4-5 लोग उनके पास गए थे जो उन्हें अपने साथ ले गए. अस्पताल वालों के पूछने पर उन लोगों ने राकेश की माँ की तबियत बहुत खराब होने की बात बताई,एफआईआर के अनुसार यह घटना सुबह 04.26 बजे घटित हुई. इसके विपरीत घटना के पूर्व 04.00 बजे ही दुबारा कई हथियारबंद लोग सादे कपड़ों में उस अस्पताल में आये जो अस्पताल के सभी सीसीटीवी कैमरे, उनकी सभी रिकॉर्डिंग तथा राकेश तिवारी सहित तमाम दूसरे मरीजों के केस रिकॉर्ड अपने साथ ले गए. जाते समय उन लोगों ने अस्पताल मैनेजमेंट से कहा कि ये रिकॉर्ड जाँच के लिए सरोजिनी नगर थाने जा रही है, जहाँ से वापस मिल जाएगी, लेकिन आज तक ये चीजें अस्पताल को वापस नहीं हुई हैं और सरोजिनीनगर पुलिस ने इन्हें ले जाने से मना किया है।

सदर तहसील पर सपा कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के खिलाफ किया प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ लगातार हमलावर हो रहे हैं। सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोमती नगर स्थित सदर तहसील में भाजपा सरकार के खिलाफजमकर विरोध प्रदर्शन किया। समाजवादी कार्यकर्ताओं ने सपा नेता पूजा शुक्ला के नेतृत्व में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई, कानून व्यवस्था और किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी की तरफसे यह प्रदर्शन प्रदेश व्यापी किया गया। उत्तर प्रदेश के सभी तहसीलों पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि, लखनऊ में सरोजनीनगर, मोहनलालगंज, सदर, बक्शी का तालाब तहसीलों में सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान तहसीलों में भारी तादाद में पुलिस बल तैनात रही। सपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई हालांकि काफी हंगामे के बाद स्थिति को पुलिस ने संभाला।

कुम्हरावां इण्टर कालेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार आयोजित

लखनऊ, संवाददाता। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पांच सितम्बर से पच्चीस सितम्बर तक शिक्षा पर्व मनाया जा रहा है। इसके अर्न्तगत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न बिन्दुओं पर परिचर्चायें आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में बक्शी का तालाब स्थित कुम्हरावा इण्टर कालेज में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमे प्रमुख शिक्षाविदों ने परिचर्चा मे भाग लेते हुये अपनी सहभागिता दर्ज करायी। वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नन्द कुमार उपस्थित थे। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप पर विस्तार से परिचर्चा की। प्रधानाचार्य कुम्हरावां इण्टर कालेज ने शिक्षा नीति में होने वाले बदलावों के बारे में बताया तो वही प्रवक्ता वन्दना तिवारी ने शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले दूरगामी परिणामों के बारे में विस्तार से बताया।

एलडीए दफ्तर से निकले अफजाल अंसारी ने कहा- मुझे संविधान पर पूरा भरोसा

लखनऊ, संवाददाता। डालीबाग में सरकारी जमीन पर बने अपने मकान को बचाने के लिए सांसद अफजाल अंसारी सोमवार को दूसरी बार एलडीए दफ्तर पहुंचे। अपनी पत्नी के साथ पहुंचे अफजाल ने एलडीए वीसी से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। बता दें कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने एक सितम्बर को अफजाल की पत्नी के नाम नोटिस काटा था। जिसमें बाहुबली मुख्तार अंसारी के भाई और भाभी को अपना पक्ष रखने के लिए 14 सितंबर की तारीख दी थी। तब अंसारी ने नोटिस का जवाब देने के लिए सात दिन का समय मांगा था। पिछली सुनवाई में अफजाल अंसारी ने बताया था कि उन्होंने ये जमीन वैध तरीके से खरीदी थी और उस पर शमन मानचित्र भी पास करवाया था। शत्रु संपत्ति होने की जानकारी उनको नहीं थी। एलडीए कार्यालय से बाहर निकले सांसद अफजाल ने कहा बताया कि उनको देश के संविधान पर पूरा भरोसा है। कार्रवाई एकतरफा है। बता दें कि मुख्तार अंसारी की भाभी फरहत अंसारी के डालीबाग स्थित सरकारी जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को ढहाने की तैयारी शुरू कर दी है। जिसके पहले चरण में इस भवन का शमन मानचित्र निरस्त किया जाएगा। एलडीए ने एक सितम्बर को इस बाबत मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी की पत्नी फरहत अंसारी को नोटिस दे दी थी। उत्तर प्रदेश नगर विकास नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा.15 के तहत ये नोटिस जारी की थी। जिसमें किसी भी जारी मानचित्र को निरस्त किया जाता है। 14 दिन के भीतर फरहत अंसारी को इस बात का जवाब एलडीए के वीसी के समक्ष देना था। जहां उनको बताना था कि ये नक्शा क्यों न निरस्त कर दिया जाए।

सोशल मीडिया के माध्यम से आतंक के लिए उकसा रहे आतंकी संगठन

अलर्ट मोड पर एटीएस

लखनऊ, संवाददाता। आतंकियों की हरकतों को देखते हुए उत्तर प्रदेश एटीएस भी अलर्ट मोड पर है। पाकिस्तान अल कायदा की स्थिति को देखते हुए यह भी स्पष्ट हो गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से यह आतंकी संगठन युवाओं को आतंक के रास्ते पर चलने के लिए उकसा रहा है। बता दें कि भले ही पकड़े गए आतंकियों का अभी तक कोई यूपी 'कनेक्शन' नहीं मिला है। इसके बावजूद एटीएस लगातार राष्ट्रीय जांच एजेंसी के संपर्क में बनी हुई है और सोशल मीडिया पर निगरानी कर रही है। एनआईए ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के छह और दिल्ली के एर्णाकुलम से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। छब्त् में प्रदेश के भी सीमावर्ती जिले

आते हैं। इस कारण पश्चिमी यूपी के सीमावर्ती जिलों में इन आतंकियों का 'कनेक्शन' होने की संभावना है। वहीं एजेंसियों को इसके पुख्ता साक्ष्य मिल चुके हैं कि पाकिस्तान में स्थित अलकायदा के आतंकी सोशल मीडिया प्लेटफार्म का ही उपयोग करके ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली के धौलाकुंआ क्षेत्र से ही जिस आतंकी अबू युसूफ को गिरफ्तार किया था, वह बलरामपुर जिले के उतरौला क्षेत्र का रहने वाला मुस्तकीम था।

इप्सेफने मुख्यमंत्री से की सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियाँ केंद्र व राज्यों में लागू किया जाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। इप्सेफ ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को इप्सेफ की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मांग की है कि 2 वर्ष से लंबित वेतन समिति की संस्तुतियों के अनुरूप सातवें वेतन आयोग की वेतन विसंगतियां व अन्य भत्ते तथा कैडर पुनर्गठन पर शीघ्र कैबिनेट से मंजूरी कराकर निर्णय करके सद्भाव का वातावरण बनाकर प्रदेश के विकास की गति को नया स्वरूप दें। शासन से कर्मचारियों के बीच आपसी सामंजस्य से सरकार के गाँवों से दिखाई देते हैं। प्रदेश का कर्मचारी विकास कार्यों में उनके साथ है। बशर्ते उनका मूलभूत समस्याएं पूरे हो जाय।इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी पी मिश्र एवं महामंत्री प्रेमचंद्र ने प्रधानमंत्री एवं अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया है कि रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदोन्नतिया तत्काल करके नियुक्तियां जारी किया जाए। कोरोना के मरीजों के इलाज में लगे मृत डॉक्टर, नर्सेज ,फार्मासिस्ट ,लैब टेक्नीशियन, प्रयोगशाला सहायक, तकनीकी एवं सफाई कर्मचारी को तत्काल 50 लाख रुपए की सहायता राशि उनके परिवार को दी जाए। खेद का विषय है कि भारत सरकार एवं राज्यों की सरकारों ने कोविड-19 से मृत कर्मचारियों की सूची प्रकाशित नहीं की है। इप्सेफ की जानकारी के अनुसार लगभग 500 कर्मचारी की मृत्यु हुई है। अन्य विभागों के कोरोना के कारण मृत कर्मचारियों को भी 50 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाए तथा उनके देयकों का भुगतान तथा मृतक के आश्रित को योग्यता के अनुरूप नियुक्ति की जाए। सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियाँ केंद्र व राज्यों में तत्काल लागू किया जाए। उत्तर प्रदेश में वेतन समिति की संस्तुति या 2 वर्ष से लंबित पड़ी है। इससे कैडर पुनर्गठन ,वेतन विसंगतियां, भत्ते पेंडिंग पड़े हैं। जिससे कर्मचारी नाराज है।

विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने तिरंगा यात्रा का समर्थन किया

लखनऊ, संवाददाता। पठान समाज के अध्यक्ष मुशीर अहमद खान ने मुहम्मद अफाक द्वारा पीसी कुरील के साथ 27 सितम्बर को निकाले जाने वाले तिरंगा यात्रा के लिए राष्ट्रीय भगीदारी अंदोलन के कार्यालय में समर्थन व्यक्त किया है। मुशीर अहमद ने कहा कि आज हिंदू-मुस्लिम में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बोई गई नफरत का बीज ज्यादा दिनों तक नहीं रहने वाला है। लोग अब अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि देश की संपत्ति बेची जा रही है, युवाओं को बेरोजगार किया जा रहा है। इसलिए सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा 27 सितंबर को देश की सुरक्षा के लिए कानून और व्यवस्था स्थापित करने के लिए एक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मैं बड़ी संख्या में लोगों से भाग लेने की अपील करता हूं, और मुहम्मद अफाक के समर्थन में एक ज्ञापन देने के लिए काम करता हूं। आंदोलन के संयोजक पीसी कुरील ने कहा कि बेरोजगारी के खिलाफ निकाले जाने वाले तिरंगा यात्रा को कुछ संप्रदायवादी ताकतें इसे यात्रा को नहीं निकालने देना चाहती हैं।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूती की दरकार: अंकित शुक्ला

लखनऊ, संवाददाता। देव ऋषि नारद से प्रारंभ हुई पत्रकारिता आज सोशल मीडिया तक पहुंच गई, तथा देश में जहां पत्रकार को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का दर्जा प्राप्त है। वही बाकी के तीन स्तंभ तो पूरी मजबूती से टिके हुए हैं लेकिन चौथा स्तंभ डगमगा रहा है। तथा कमजोर पड़ रहे चौथे स्तंभ को मजबूती की दरकार है। राजधानी लखनऊ में पत्रकार प्रेस महासंघ के प्रदेश कार्यालय में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें पत्रकार प्रेस महासंघ के महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने कहा की देशभर में पत्रकारों पर हो रहे शोषण व उत्पीड़न की मै घोर निंदा करता हूं। अंकित शुक्ला ने आगे कहा कि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ है यह बात मात्र कहने भर के लिए ही रह गई है। आज पत्रकारों की सुध लेने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है। जहां देश में बड़े-बड़े मान्यता प्राप्त पत्रकारों का उत्पीड़न हो रहा है दिनदहाड़े सरेआम पत्रकारों की हत्या की जा रही है। ऐसे में जो छोटे चौनल व अखबारों के पत्रकार हैं, या फिर जो नए पत्रकार है जिन्होंने अभी-अभी अपनी पत्रकारिता प्रारंभ की, उनमें डर का माहौल है। ऐसे में पत्रकारों के हौसले टूट रहे हैं। तथा बाकी के तीन स्तंभों की तरह चौथे स्तंभ को भी मजबूत करना चाहिए। तथा कार्यालय में मौजूद राष्ट्रीय सचिव सर्वेंद्र सिंह चौहान व महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला एवं अन्य सभी पदाधिकारियों का फूल मालाओं से जोरदार भव्य स्वागत कर समीक्षा बैठक का आरंभ किया गया। समीक्षा बैठक में मौजूद रहे लोगों में राष्ट्रीय सचिव सर्वेंद्र सिंह चौहान, महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला, महानगर उपाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा, महानगर महासचिव शशांक मिश्रा शेखर, महानगर संगठन मंत्री कुलदीप बाजपेई, महानगर सचिव विवेक मिश्रा, महानगर मीडिया प्रभारी जे एन शुक्ला, प्रत्यक्ष रूप से मौजूद रहे एवं वीडियो कांफ्रेंस द्वारा अभिज्ञान मिश्रा विशाल महानगर शिकायत सचिव, सौरभ दास महानगर कोषाध्यक्ष, आकाश शुक्ला महानगर प्रवक्ता, विपिन शुक्ला महानगर प्रचार मंत्री व सुरेश चंद्र महानगर सह मीडिया प्रभारी आदि लोग मौजूद रहे तथा समीक्षा बैठक में सभी ने पत्रकारों के हित की रक्षा हेतु अपना-अपना पक्ष रखा।

चीन को हराना है तो चीन निर्मित सामानों का उपयोग बन्द करें: यशवन्त सिंह

लखनऊ, संवाददाता। लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक विधानपरिषद सदस्य यशवन्त सिंह ने कहा है कि यदि आप चीन को हराने की इच्छा रखते हैं तो केवल चीन निर्मित सामानों का उपयोग बन्द कर दीजिए, चीन हिमालय के साथ ही तिब्बत को भी आजाद करने के लिए विवश होगा। उन्होंने कहा कि लोकतन्त्र सेनानी और चीन निर्मित सामग्री बहिष्कार मोर्चा के साथी इसके लिए घर घर सम्पर्क करें। सोमवार को परिवर्तन पार्क में स्थित नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति की छांव तले चीन निर्मित सामग्री बहिष्कार मार्च को सम्बोधित करते हुए विधानपरिषद सदस्य श्री यशवन्त सिंह ने कहा कि सीमा पर सेना लड़ रही है, कूटनीतिक मोर्चे पर सरकार लड़ रही है और देश के भीतर हमारी आपकी जिम्मेदारी है कि चीन के सामानों का बहिष्कार करके चीन को घुटना टेकने के लिए मजबूर करें। उन्होंने कहा कि आज परिस्थितियाँ हम लोगों के अनुरूप हैं। उधर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार चीन की गतिविधियों पर अंकुश लगा रही है तो इधर मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सूबे की सरकार ने चीन की गतिविधियों पर बैन लगा दिया है। इसके लिए मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ की जितनी भी तारीफ की जाए कम है। बहिष्कार मार्च के लिए लोकतन्त्र सेनानी और चीन बहिष्कार मोर्चा के साथी चन्द्रशेखर चबूतरा दारुलशफा पर जुटे। यहाँ लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक विधानपरिषद सदस्य यशवन्त सिंह को जन्मदिन की बधाई दिए, फिर परिवर्तन चौक के लिए रवाना हुए जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति की छांव तले सभा में बदल गई जिसे मुख्य रूप से विधान परिषद सदस्य यशवन्त सिंह ने सम्बोधित किया। बहिष्कार मार्च में शामिल साथी अपने अपने हाथ में होर्डिंग लिए थे जिसपर लिखा था, चीन निर्मित सामग्री का - बहिष्कार करो, बहिष्कार करो, देशी अपनाओ- देश बचाओ, चीन का सामान- भारत का अपमान। इस अवसर पर बहिष्कार मार्च में शामिल लोगों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया गया कि जब तक चीन सम्पूर्ण हिमालय को मुक्त नहीं करता है, हम लोग चीन निर्मित सामग्री का बहिष्कार करते रहेंगे। लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संयोजक धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने यह संकल्प कराया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीदों को श्रद्धान्जलि अर्पित की गई। बहिष्कार मार्च में का नेतृत्व लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति और चीन निर्मित सामग्री बहिष्कार मोर्चा के संयोजक धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, पूर्व ब्लाक प्रमुख सतीश सिंह, चन्द्रशेखर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष लालबहादुर सिंह, शिब्ली वेलफेयर सोसाइटी बिंदवल के चेयरमैन शब्बू नोमानी, चतुर्भुज सिंह गाजीपुरी, सुभाष सिंह कर्मी, उदय सिंह, ए पी सिंह, जगराना यादव एडवोकेट, मदन मोहन पाण्डेय, समर बहादुर सिंह, अमित सिंह, अजित सिंह, मिथलेश सिंह पैंजी, सुभाष राजभर, संजय गुप्ता, रामशब्द विश्वकर्मा, संजय यादव, हीरा यादव, महेंद्र पासवान, मंगरु सिंह, दिलीप मिश्र, अनिल मद्धेशिया, हरिकेश कनौजिया, अमित प्रजापति, रियाज अंसारी, अतुल चौबे, चंचल चौबे, विजय उपाध्याय, प्रकाश मोदी उर्फचाचा, मिथलेश सिंह, पप्पू पाल और अमित प्रजापति और सूरज भोजवाल आदि कर रहे थे।

प्रेमी युगल ने बरेली मे खाया जहरीला पदार्थ रास्ते मे बिगड़ी हालत ट्रामा में मौत

प्रेमी युगल को बरेली से लखनऊ ला रहे पुलिस कर्मियो ने किया बचाने का भरसक प्रयास

लखनऊ, संवाददाता। करीब 6 मांह पूर्व अपने तीन बच्चो और पति को छोड़ कर प्रेमी संग घर से भागी महिला को उसके प्रेमी संग कृष्णा नगर पुलिस ने बरेली से बरामद तो कर लिया लेकिन एक दूसरे का जन्मो जनम तक साथ निभाने का प्रण लेकर भागे प्रेमी युगल जीते जी अपने घर वापस नही आए बरेली मे पुलिस की गाड़ी मे सवार होने से पहले ही दोनो ने जहरीला पदार्थ खा लिया। बरेली लखनऊ के रास्ते मे जब दोनो की हालत बिगड़ी तो प्रेमी युगल को लखनऊ लेकर आ रहे पुलिस कर्मियो के हाथ पॉव फूल गए गाड़ी के चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ाई और उल्टियां कर रहे प्रेमी युगल को लखनऊ के ट्रामा सेन्टर पहुँचाया लेकिन डाक्टर प्रेमी युगल की जान बचा पाने मे असफल रहे। इन्स्पेक्टर कृष्णा नगर का कहना है कि प्रेमी युगल

को लखनऊ मे मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के लिए ला रही पुलिस टीम ने दोनो को जल्दी अस्पताल पहुँचाने का भरसक प्रयास किया लेकिन उनकी जान नही बचाई जा सकी। जानकारी के अनुसार राम नगर आलमबाग के रहने वाले जेवरात के कारीगर विकास कुमार सोनी की ठाकुरगंज की रहने वाली कल्पना के साथ शादी हुई थी लेकिन शादी के कुछ साल बाद पति पत्नी के रिश्ते मे दरार आ गई और कल्पना अपने मायके मे रहने लगी इस बीच विकास कुमार सोनी के सम्बन्ध प्रेम नगर कृष्णा नगर की रहने वाली तीन बच्चो की मां 30 वर्षीय पारूल से हो गए। पारूल का पति किसी मामले मे जेल मे है। पारूल और विकास का प्रेम परवान चढ़ता गया और पारूल एक दिन अपने प्रेमी विकास कुमार सोनी के साथ अपने तीन बच्चो मुस्कान, पवन और गगन को छोड़ कर चली गई। पारूल के विकास के साथ भागने के बाद पारूल की मां सुषमा ने कृष्णा नगर कोतवाली मे मुकदमा दर्ज कराया पुलिस दोनो की तलाश मे जुटी हुई थी। इस दौरान कृष्णा नगर पुलिस को पता चला कि पारूल और विकास बरेली के सदर मोहल्ले मे है पुलिस की टीम रविवार को विकास और पारूल तक पहुँची तो पारूल ने विकास के साथ ही रहने की इच्छा जताई लेकिन क्यूंकि कृष्णा नगर थाने मे विकास के खिलाफ मुकदमा दर्ज था इस लिए पारूल को लखनऊ मे मजिस्ट्रेट के सामने बयान देना भी जरूरी था विकास और पारूल को कृष्णा नगर थाने की पुलिस टीम अपनी गाड़ी से लेकर लखनऊ के लिए चली।

प्रियंका का तंज-युवा आक्रोश के डर से योगी सरकार ने शुरू की भर्ती प्रक्रिया

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि युवा आक्रोश के डर से प्रदेश में सरकारी नौकरी में भर्तियों पर विचार किया जा रहा है। वाड्रा ने ट्वीट किया '' युवा आक्रोश के बाद जागी यूपी सरकार आज बैठक कर भर्तियों पर विचार कर रही है। युवा जानना चाहते हैं सरकार गंभीर होकर प्रत्येक भर्ती के लिए सभी मसले सुलझाकर नियुक्ति की पक्की डेडलाइन का ब्योरा रखेगी या नहीं। उन्होंने लिखा '' भर्तियों में देरी, उन्हें अटकाना-भटकाना युवा के साथ अन्याय है। ये बंद करिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्ती को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले शुक्रवार को सभी विभागों से रिक्त पदों का विवरण मांगा था। उन्होने अगले तीन महीनों में भर्ती प्रक्रिया शुरू करते हुए छह महीने के अंदर नियुक्ति पत्र बांटने का निर्देश दिया है।

आम आदमी पार्टी के समर्थकों ने केंद्र सरकार द्वारा लाया गया किसान बिल।

फिल्म इंडस्ट्री ही नहीं किसी भी इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: रवि किशन शुक्ल

ऐसा कानून बने कि कोई यह कहकर बेटियों के साथ सौदा न करें कि मै तेरी लाइफ बना दूँगा

गोरखपुर/ सदर सांसद रवि किशन शुक्ल ने संसद में बोलते हुए महिलाओं के साथ हो रही सौदेबजी पर शख्त कानून बनाने की माँग की। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जी इस देश की बहुत गंभीर समस्या पर आवाज उठा रहा हूँ।जैसा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने कहा था बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ इससे मेरे भारत में समस्त बेटियां,मेरी भी बेटी मै पिता हूँ। उनमे एक बल आया एक शक्ति आई।शक्ति ऐसी कि वो अब निकलने लगी ,बताने लगी कि उसके साथ क्या हुआ।अपनी पीड़ा को कहने की शक्ति आई ।समस्त भारत के सामने,समस्त मीडिया के सामने ,समस्त सोशल मीडिया के सामने बेटियों को एक बल मिला हमारी सरकार में।हमारे देश में दुर्गा,गौ माता की तरह बेटियों की पूजा की जाती है।यह हमारे सनातन धर्म में भी है।

किसी भी इंडस्ट्री में बेटियों का शोषण न हो, इसके लिए बने कानून

सदर सांसद ने लोक सभा अध्यक्ष से माँग की एक ऐसा कानून बनाया जाए कि बेटियों,महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार को रोका जा सके।कोई हिम्मत न करें कि मै तेरी

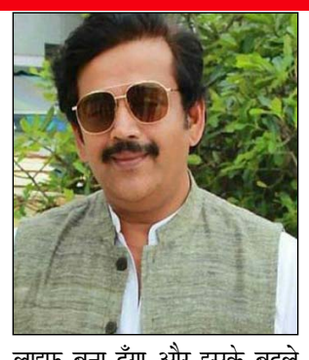

लाइफ बना दूँगा और इसके बदले सौदेबाजी करें। कोई भी अपने सपनो को लेकर जब छोटी छोटी जगहों से ऐसी जगहों पर जाता है तो उसका सब कुछ दांव पर लगा होता है।कोई अपनी ज़मीन बेचकर जाता है तो कोई अपनी बाइक।वहाँ पहुँचकर जब कोई बेटी किसी बड़े निर्देशक के दफ़्तर की घंटी बजती है और उसकी इंट्री होती है। तो उसके साथ सौदेबाजी की जाती है।यह सौदेबाजी क्यों होती है? क्या अधिकार है किसी को सौदेबाजी का?क्या अधिकार है यह कहने का तुम्हारी लाइफ बना दूँगा। एक कॉमप्रोमाइज का सौदा करने की क्या जरूरत है।कब तक ऐसा चलेगा।मोदी सरकार ,हमारी सरकार में एक ऐसा कानून बनना ही चाहिए।

फिर दिखा ग्राम गोरसैरा में प्रधान पति और लेखपाल की मनमानी

गोरखपुर/बांसगांव ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला ग्राम सभा गोरसैरा मे फिर एक नया मामला देखने को मिल रहा है इस मामले में भी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गोरसैरा पर मनमानी और जबरजस्ती विपक्षियों संघ मिलकर रास्ता अवरुद्ध करने का आरोप लगा है। आपको बताते चलें की प्रार्थी फणीश धर दूबे और अहमद पुत्र असगर असगर पुत्र नजर अली महबूब पुत्र रसूल के बीच रास्ते का विवाद है प्रार्थी का रास्ता विवाद बांसगांव दीवानी न्यायालय में जेरे कार्यवाही पर है जिसमें अमीन के रिपोर्ट अनुसार वहां रास्ता स्वीकार किया गया है वहीं उप जिलाधिकारी खजनी द्वारा आदेश अनुक्रम में लेखपाल विवेक सिंह द्वारा अपनी आख्या में स्वीकार किया गया है आई जी आर एस आख्या प्रारूप के जांचकर्ता आशीष कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 29-07-2019 को विपक्षी गुलाम रसूल द्वारा जबरदस्ती रास्ता अवरुद्ध करने की बात कहीं गई है।

मन्दिर निर्माण के बाद अखंड रामायण का आयोजन

दुबौलिया। दुबौलिया विकास क्षेत्र के बैरागल ग्राम पंचायत के उपाध्यायपुरा गांव मे मां काली के भव्य मंदिर निर्माण के पश्चात पूजन अर्चना के बाद अखंड रामायण पाठ का आयोजन शुरू किया गया। गांव के ही कृष्णमणि उपाध्याय के अध्यक्षता में व ग्रामवासियों के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ। सोमवार को मां काली की पूजा अर्चना आरती के बाद अखंड रामायण पाठ शुरू हुआ भव्य मंदिर निर्माण से ग्राम वासियों में खुशी की लहर है। इस मौके पर उमापति उपाध्याय, ह्रदय राम पाठक, सभापति उपाध्याय, राम प्रकाश उपाध्याय, राम मणि उपाध्याय, पुजारी उपाध्याय, संतोष उपाध्याय,विनय पाठक सहित सभी ग्रामवासी मौजूद रहे।

महासचिव प्रियंका गांधी से कफ़ील खान ने की मुलाकात

जेल से छूटने के बाद डॉक्टर कफ़ील खान ने आज कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी से मुलाकात की। डॉक्टर कफ़ील खान की जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस महासचिव ने कफ़ील खान और उनके परिजनों से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल लिया था और हर संभव मदद का वादा किया था।

कफ़ील खान ने अपने परिवार के साथ की कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात

दिल्ली में डॉक्टर कफ़ील खान अपने परिवार के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी से मुलाकात की। डॉक्टर कफ़ील के साथ उनकी पत्नी और बच्चे भी प्रियंका गांधी से मिले। दिल्ली में हुई इस मुलाकात के वक्त यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और अल्पसंख्यक कांग्रेस के चेयरमैन शाहनवाज आलम मौजूद थे।

कांग्रेस ने चलाया था डॉक्टर कफ़ील की रिहाई के लिए अभियान

यूपी में कांग्रेस पार्टी ने डॉक्टर कफ़ील की रिहाई के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था। पूरे सूबे में हस्ताक्षर अभियान, विरोध प्रदर्शन और पत्र लिखकर कांग्रेसियों ने डॉक्टर कफ़ील खान की रिहाई के लिए आवाज़ बुलंद की थी।

धुरिया गोंड समाज ने कैथवलिया में आयोजित किया उज्जैनी पूजा

बृजमनगंज ब्लॉक के महुलानी ग्रामसभा अंतर्गत कैथवलिया टोले पर रविवार को धुरिया गोंड समाज के द्वारा उज्जैनी पूजा/पंचायत का आयोजन हुआ। धुरिया गोंड समाज के द्वारा अपने पूर्वज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शंकर शाह रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। शंकर शाह रघुनाथ शाह को 18 सितम्बर 1857 को अंग्रेजो ने तोप के मुख से बाध कर हत्या कर दी थी। जिससे 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन का प्रादुर्भाव हुआ है। तहसील अध्यक्ष तिरुमाल बनवारी धुरिया जी व मुखिया सत्येन्द्र गोंड के नेतृत्व में पंचायत की गई। कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई और फरेन्दा तहसील में सरकारी महकमे के आदेश के बावजूद अनुसूचित जनजाति का प्रमाणपत्र जारी न होने की दशा में 26 दिसम्बर 2020 से धरना प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार की गई। पंचायती समाप्त होने के बाद फड़ापेन गोगो पूजा का आयोजन किया गया, जिसको मुठवा जयगांधी धुर्वा, भूमक श्रीचन्द धुर्वा, भूमक व अधिवक्ता दिनेश चन्द्र धुर्वे, भूमक सतीश चन्द्र, भूमक अवधेश गोंड, भूमक नन्द्रिका गोंड ने सम्पन्न कराया। इस अवसर पर कन्हैया गोंड, रजत गोंड, अशोक धुरिया, श्याम सुंदर, शशिकांत, सोनू धुव्र इत्यादि धुरिया गोंड समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवी विनय प्रताप सिंह के माध्यम से विद्युत विभाग द्वारा पुन नए खंभे का निर्माण कराया गया

रुद्र प्रताप सिंह, रिपोर्ट। मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत दतली खड़ता अटौरा पहाड़पुर जाने वाली बिजली लाइन का रास्ते में पुरवा के पास भारत गैस एजेंसी के बगल में खंभा टूट जाने से क्षेत्र के गांव में पसरा रहा अंधेरा जिससे लोगों को काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है और भीषण गर्मी के चलते समय पर बारिश ना होने के कारण किसान पहले से ही भुखमरी की कगार पर है और अब समय पर बिजली ना मिलने के कारण खेतों में सिंचाई समय पर नहीं हो पा रही जिससे धान की फसलों को समय पर सिंचाई ना मिलने के कारण ग्रामीणों में काफी आक्रोश है जिसकी जानकारी मिलते ही तत्काल में समाजसेवी विनय प्रताप सिंह के माध्यम से पावर हाउस मलिहाबाद के उच्च अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी अवगत करायी और वंहा के सम्बधित अधिकारियों से बात कर तुरंत आनन फानन में विद्युत विभाग के कर्मचारियों के माध्यम से तुरंत नए खंभे का पुनःनिर्माण करवाया गया खंभे का निर्माण देख ग्रामीणों के चेहरो पर आयी खुशी की लहर सभी ग्रामीणों ने समाजसेवी विनय प्रताप सिंह सराहना की और गांव के हर सुख दुख में गांव वालों के साथ निरंतर सेवा भाव के साथ हमेशा मुस्तैदी से खड़े रहते हैं चाहे वह छोटा काम हो या बडा काम क्यों न हो वह हमेशा क्षेत्र के समस्त कार्यों में कंधे से कंधा मिलाकर सदैव खड़े रहते हैं।

महंगाई, बेरोजगारी एवं ध्वस्त कानून व्यवस्था को लेकर सपाइयों ने दिया ज्ञापन

गोरखपुर,बांसगांव/ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर प्रदेश व्यापी प्रदर्शन के क्रम में समाजवादी पार्टी विधानसभा बांसगांव के कार्यकर्ताओं ने विधानसभा अध्यक्ष रामअजोर मौर्य के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन करते हुये तहसील बांसगांव में तहसीलदार को ज्ञापन दिया । ज्ञापन में मांग की गई कि कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति एवं कोरोना महामारी को कंट्रोल करने के मामले में सरकार द्वारा बरती गई लापरवाही एवं किये गये घोटाले एवं अतिवृष्टि ,ओलावृष्टि एवं बाढ़ से नष्ट फसलों के लिए किसानों की क्षतिपूर्ति का तत्काल प्रबंध हो। गन्ना किसानों का बकाया और नियमानुसार देय ब्याज का भुगतान शीघ्र किया जाए। बदले की भावना से सपाइयों पर दर्ज मुकदमे वापस किए जाएं, समाजवादी सरकार में किए गए कार्य को अपना ठप्पा लगाकर जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। प्रदर्शन में अपने सैकड़ो साथियों के साथ सपा नेता रामप्रवेश यादव सम्मिलित हुये। कार्यक्रम में संजय पहलवान, नंदलाल कन्नौजिया,सुमन पासवान, रविन्द्र यादव,परशुराम निषाद ,ईश्वर मद्धेशिया, अजय ,ओमकार ओम,रामप्रवेश मंटू, धीरेंद्र ,संजय पासवान, संजय यादव, महेंद्र , हरिओम यादव, विकास सिंह, शक्ति सिंह, गामा कन्नौजिया,अलीमुद्दीन अंसारी, रविशंकर राय, सुरेंद्र निषाद, विकास यादव कक्कू,सुरेंद्र प्रताप यादव,लल्लन यादव,राजेन्द्र यादव,शत्रुध्न यादव, बाले प्रसाद, हरेंद्र ,रामप्रवेश निषाद,यदुवंशी प्रधान ,सौरभ राय आदि लोग सम्मलित थे।

संचारी रोग एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु सभी विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

अक्टूबर माह के दस्तक अभियान में आशा घर-घर जाकर बुखार के साथ ही खांसी तथा सांस लेने में परेशानी के लक्षण वाले रोगियों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगी:सीडीओ

बस्ती। 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2020 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान, संचारी रोग एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही करने हेतु सीडीओ सरनीत कौर ब्रोका ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विभाग कार्ययोजना बनायेंगे तथा कार्ययोजना के अनुसार लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया है कि अक्टूबर माह के दस्तक अभियान में आशा घर-घर जाकर बुखार के साथ ही खांसी तथा सांस लेने में परेशानी के लक्षण वाले रोगियों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगी। इसकी सूचना वे निर्धारित प्रारूप पर ब्लाक मुख्यालय भेजेंगी। उन्होंने निर्देश दिया कि फरवरी से अगस्त 2020 के बीच नियमित टीकाकरण से वंचित शिशुओं को चिन्हित एवं सूचीबद्ध कर टीकाकरण कराने की कार्ययोजना तैयार करें।

अक्टूबर माह में घर-घर भ्रमण के दौरान जनवरी से सितम्बर 2020 के बीच जन्में शिशु का नाम तथा पता अंकित करते हुए सम्पूर्ण टीकाकरण का विवरण भेजेंगी। उन्होंने निर्देश दिया कि माह अक्टूबर के उत्तरार्ध से प्रारम्भ करते हुए माह दिसम्बर तक कोविड रोग के प्रसार के कारण टीकाकरण से वंचित रह गये सभी शिशुओं का नियमित टीकाकरण पूर्ण किया जायेगा। सभी एम0ओ0आई0सी0 इसकी कार्ययोजना बना लें। उन्होंने निर्देश दिया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ब्लाक स्तर पर नोडल अध्यापकों, स्थानीय निकाय, ग्राम प्रधान, आशा, एन0एन0एम0 तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री का संवेदीकरण प्रशिक्षण समय से पूरा करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग के तौर पर कार्य करेगा। इसके साथ नगर विकास, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, पशुपालन, बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, कृषि एवं सिंचाई, अन्तर विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए पूरे माह अभियान संचालित करेंगे। सभी विभाग माह भर लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करेंगे। बैठक का संचालन जिला मलेरिया अधिकारी डा0 आई0ए0 अंसारी ने किया। इसमें सीएमओ डा0 ए0के0 गुप्ता, एसीएमओ डा0 सी0के0 वर्मा, डा0 फखरेयार हुसैन, उप जिलाधिकारी नीरज प्रसाद पटेल, आलोक राय, डा0 जलज, डा0 रोचस्पति पाण्डेय, डा0 सुषमा सिन्हा, विभागीय अधिकारी तथा सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में अपराधियों के हौसले बुलंद प्रॉपर्टी डीलर को मारी गोली, सड़क पर 10 राउंड फायरिंग, मची भगदड़

प्रॉपर्टी डीलरो के दो गुटों में एक जमीन के विवाद को लेकर सोमवार को फिल्मी अंदाज में गैंगवार हो गया। देवरिया रोड पर सिंघाड़िया के निकट विष्णु पुरवा मोड़ के पास वारदात की शुरुआत हुई। यहां दोनों पक्षों ने वहां पर सात राउंड गोलियां चलाईं। फिर एक पक्ष शहर की ओर भागने लगा जिसके बाद करीब डेढ़ किलोमीटर तक पीछा कर मोहद्दीपुर आरकेबीके के पास दोबारा दोनों पक्ष आमने सामने हो गए ।यहां भी तीन राउंड फायरिंग हुई जिसमें एक प्रॉपर्टी डीलर गंभीर रूप से घायल हो गया। बदमाशों की फायरिंग के समय सड़क पर भगदड़ मच गई। घायल प्रॉपर्टी डीलर के साथी उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। उधर गोलीबारी की सूचना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार के अलावा भारी संख्या में पुलिस फोर्स सड़कों पर उतर गई। एसएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आरोपितों की तलाश में कैंट पुलिस के साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम ने छापेमारी शुरू कर दी। खोराबार थाना क्षेत्र का रहने वाला सुनील पासवान और भगत चौराहा निवासी जितेंद्र यादव प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। दोनों के बीच एक जमीन खरीदने को लेकर के पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। इसको लेकर 2 दिन पहले भी दोनों गुटों के बीच कहासुनी और मारपीट हुई थी। सोमवार को सुनील पासवान अपने साथियों के साथ कार से शहर की तरफ आ रहे थे। कैंट थाना क्षेत्र में विष्णु पुरवा मोड़ पर जितेंद्र यादव ने अपने साथियों के साथ सुनील पासवान को घेर लिया। कहासुनी मारपीट के बाद दोनों गुट के बीच यहां फायरिंग शुरू हो गई। मौके पर करीब 7 राउंड गोलियां चली जिसमें कोई घायल नहीं हुआ। जितेंद्र यादव पक्ष यहां भारी पड़ रहा था।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूती की दरकार:महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला पत्रकार प्रेस महासंघ

देव ऋषि नारद से प्रारंभ हुई पत्रकारिता आज सोशल मीडिया तक पहुंच गई, तथा देश में जहां पत्रकार को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का दर्जा प्राप्त है। वही बाकी के तीन स्तंभ तो पूरी मजबूती से टिके हुए हैं लेकिन चौथा स्तंभ डगमगा रहा है। तथा कमजोर पड़ रहे चौथे स्तंभ को मजबूती की दरकार है।

राजधानी लखनऊ में पत्रकार प्रेस महासंघ के प्रदेश कार्यालय में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें पत्रकार प्रेस महासंघ के महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने कहा की देशभर में पत्रकारों पर हो रहे शोषण व उत्पीड़न की मै घोर निंदा करता हूं। अंकित शुक्ला ने आगे कहा कि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ है यह बात मात्र कहने भर के लिए ही रह गई है। आज पत्रकारों की सुध लेने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है। जहां देश में बड़े-बड़े मान्यता प्राप्त पत्रकारों का उत्पीड़न हो रहा है दिनदहाड़े सरेआम पत्रकारों की हत्या की जा रही है। ऐसे में जो छोटे चैनल व अखबारों के पत्रकार हैं, या फिर जो नए पत्रकार है जिन्होंने अभी-अभी अपनी पत्रकारिता प्रारंभ की, उनमें डर का माहौल है। ऐसे में पत्रकारों के हौसले टूट रहे हैं। जिसके लिए संगठन के साथ-साथ सरकार को भी आगे आना चाहिए। तथा बाकी के तीन स्तंभों की तरह चौथे स्तंभ को भी मजबूत करना चाहिए। आपको बता दें कि पत्रकारों के हितों की रक्षा हेतु लखनऊ प्रदेश कार्यालय में पत्रकार प्रेस महासंघ की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। तथा कार्यालय में मौजूद राष्ट्रीय सचिव सर्वेंद्र सिंह चौहान व महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला एवं अन्य सभी पदाधिकारियों का फूल मालाओं से जोरदार भव्य स्वागत कर समीक्षा बैठक का आरंभ किया गया। समीक्षा बैठक में मौजूद रहे लोगों में राष्ट्रीय सचिव सर्वेंद्र सिंह चौहान, महानगर अध्यक्ष अंकित शुक्ला, महानगर उपाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा, महानगर महासचिव शशांक मिश्रा शेखर, महानगर संगठन मंत्री कुलदीप बाजपेई, महानगर सचिव विवेक मिश्रा, महानगर मीडिया प्रभारी जे एन शुक्ला, प्रत्यक्ष रूप से मौजूद रहे एवं वीडियो कांफ्रेंस द्वारा अभिज्ञान मिश्रा विशाल महानगर शिकायत सचिव, सौरभ दास महानगर कोषाध्यक्ष, आकाश शुक्ला महानगर प्रवक्ता, विपिन शुक्ला महानगर प्रचार मंत्री व सुरेश चंद्र महानगर सह मीडिया प्रभारी आदि लोग मौजूद रहे तथा समीक्षा बैठक में सभी ने पत्रकारों के हित की रक्षा हेतु अपना-अपना पक्ष रखा।

पूर्व मंत्री व भाजपा नेता नरेश अग्रवाल ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता व समाजसेवी विजय सब्बरवाल को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनको बताया बड़ा भाई

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री नरेश अग्रवाल ने भी आशीष अग्रवाल को फोन कर बेहद भावुक होते हुए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व लखनऊ शहर के जाने - माने समाजसेवी विजय सब्बरवाल के निधन पर संवेदना प्रगट किया और उनको अपना बड़ा भाई बताते हुए उनकी मृत्यु को व्यक्तिगत क्षति बताया. इसके अलावा झारखण्ड व असम के पूर्व राज्यपाल सिब्ते रजी ने भी व्यवसायी व समाजसेवी आशीष अग्रवाल को फोन करके सब्बरवाल जी के निधन पर शोक व्यक्त कर अपनी ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया।

कुछ दिनों पूर्व स्वर्गवासी हुए विजय सब्बरवाल जी के पारिवारिक संबंधी आशीष अग्रवाल के संयोजकत्व में कल 20 सितंबर को उनकी स्मृति में निराला नगर के जे.सी. गेस्ट हाऊस में एक सभा का आयोजन हुआ था जिसमें लगभग सभी राजनीतिक दलों के नेता , समाजसेवी , मीडियाकर्मी सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लब्धप्रतिष्ठ व्यक्ति मौजूद रहकर दिवंगत नेता के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। इस श्रद्धांजलि समारोह में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के राष्ट्रीय

सचिव व हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकार सिंह ने स्वर्गीय विजय सब्बरवाल को याद करते हुए भावुक स्वर में कहा कि वे , उनके सुख - दुःख के साथी थे , ऐसे में उनका हमेशा के लिए चले जाना उनको बहुत खल रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि आयु व खराब स्वास्थ्य के चलते सब्बरवाल जी दलीय राजनीति में लगभग निष्क्रिय हो गए थे लेकिन पूर्व मैं उन्होंने कांग्रेस पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के कोषाध्यक्ष , राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य के रूप में अपना राजनीतिक योगदान किया. इस श्रद्धांजलि समारोह में नवभारत पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता नैमिष प्रताप सिंह ने बताया कि श्रद्धेय सब्बरवाल जी एक सामाजिक व्यक्ति थे , वे जब भी मिलते थे तो उनके साथ बेहद स्नेहपूर्ण व्यवहार करते थे और वे , उनको एक पारिवारिक बुजुर्ग के रूप में सदैव याद करेंगे. सब्बरवाल जी की स्मृति में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में जिला सहकारी बैंक बलिया के पूर्व चेयरमैन कमलेश सिंह , वरिष्ठ नेता कांग्रेस पार्टी अमीर हैदर व संजीव अग्रवाल , वरिष्ठ पत्रकार रवि सक्सेना , एडवोकेट अनूप सिंह , राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के - प्रदेश उपाध्यक्षआदित्य विक्रम सिंह , प्रदेश प्रवक्ता एस. एन.त्रिवेदी , राष्ट्रीय जनलोक पार्टी (युवा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह , अशोक वर्मा , के. के. सिंह , नवभारत पत्रकार एसोसिएशन की रायबरेली जिला इकाई के महासचिव शहकार अहमद , लोकशक्ति अभियान % एक स्वैच्छिक संगठन % की रायबरेली जिला इकाई के सचिव निशू सोनकर , छात्र नेता रणजीत सिंह आदि लोगों की प्रमुख रूप से उपस्थिति रही. इसके साथ - साथ फोन के द्वारा अन्य लोग भी आशीष अग्रवाल और उनके पुत्र अभिषेक अग्रवाल को लगातार फोन करके सब्बरवाल जी के निधन पर अपना दुःख - संवेदना प्रगट कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे है।

सोशल मीडिया पर लगाम जरूरी है

देश इस समय कोरोना वायरस के संकट से जूझ रहा है. संकट के इस दौर में भी सोशल मीडिया पर कोरोना को लेकर फेक वीडियो व फेक खबरें बड़ी संख्या में चल रही हैं. हम सबके पास सोशल मीडिया के माध्यम से रोजाना कोरोना के बारे में अनगिनत खबरें और वीडियो आते हैं. इनमें से अनेक किसी जाने-माने डॉक्टर के हवाले से होते हैं. कभी फेक न्यूज में कोरोना की दवा निकल जाने का दावा किया जाता है, तो कभी वैक्सीन के बारे में भ्रामक सूचना फैलायी जाती है. आम आदमी के लिए यह अंतर कर पाना बेहद कठिन होता है कि कौन-सी खबर सच है और कौन-सी फेक. फेक न्यूज को तथ्यों के आवरण में ऐसे लपेट कर पेश किया जाता है कि आम व्यक्ति उस पर भरोसा कर ले. व्हाट्सएप के इस दौर में आम आदमी को यह पता ही नहीं चलता कि वह कब फेक न्यूज का शिकार हो गया और उसे आगे बढ़ाकर कितने और लोगों को प्रभावित कर दिया. कुछ समय पहले राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा था कि फेक न्यूज सबसे बड़ी समस्या है और इस पर अंकुश लगाने के तरीकों पर चर्चा करनी चाहिए. यह सच है कि मौजूदा दौर की सबसे बड़ी चुनौती फेक न्यूज है. सच्ची खबर को तो लोगों तो पहुंचने में समय लगता है, लेकिन फेक न्यूज के तो जैसे पंख लगे होते हैं, जंगल में आग की तरह फैलती है और समाज में भ्रम और तनाव भी पैदा कर देती है. सोशल मीडिया की खबरों के साथ सबसे बड़ा खतरा यह भी रहता है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है, उसका पता लगाना मुश्किल काम है. यह बात एकदम साफ है कि सोशल मीडिया बेलगाम हो गया है, तो दूसरी ओर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि आम जनता तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया एक असरदार व वैकल्पिक माध्यम के रूप में भी उभरा है. राजनीतिक, सामाजिक संगठन और आमजन इसका भरपूर लाभ उठा रहे हैं. लेकिन, कई बार वे भी फेक न्यूज का शिकार हो जाते हैं.हाल में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि सोशल मीडिया को लेकर दिशा-निर्देश की सख्त जरूरत है ताकि भ्रामक जानकारी डालने वालों की पहचान की जा सके. अदालत ने कहा कि हालात ऐसे हैं कि हमारी निजता तक सुरक्षित नहीं है और निजता का संरक्षण सरकार की जिम्मेदारी है. कोई किसी को ट्रोल क्यों करे और झूठी जानकारी क्यों फैलाये. आखिर ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने का हक क्यों नहीं है. जस्टिस दीपक गुप्ता और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आज के दौर में हमारे पास सोशल मीडिया को लेकर सख्त दिशा-निर्देश होने चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आखिर किसी उपयोगकर्ता को सेवा प्रदाता से ये पूछने का हक क्यों नहीं है कि मैसेज कहां से शुरू हुआ है. हमें इंटरनेट की चिंता आखिर क्यों नहीं करनी चाहिए. पीठ ने कहा कि हम सिर्फ यह कहकर नहीं बच सकते हैं कि ऑनलाइन अपराध कहां से शुरू हुआ, उसका पता लगाने की तकनीक हमारे पास नहीं है. अगर ऐसा करने की कोई तकनीक है, तो उसे रोकने की भी कोई तकनीक होनी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के पास आधार से सोशल मीडिया को जोड़ने की याचिकाएं विचारार्थ लंबित हैं. ऐसी याचिकाएं बॉम्बे, मध्य प्रदेश और मद्रास हाईकोर्ट में लंबित थीं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित कर दिया गया है. इसके पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान कहा था कि अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल दो धार्मिक समुदायों के बीच नफरत का बीज बोने के लिए नहीं होना चाहिए, खास तौर पर फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करते समय इसका जरूर ख्याल रखा जाना चाहिए. पीठ ने कहा था कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि वे अन्य धर्मों के लोगों के साथ शांति से रह सकते हैं. लोग बोलने की आजादी व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल अनुशासित होकर करें, खास तौर से सोशल मीडिया में पोस्ट करते समय इसका ध्यान जरूर रखें. पीठ ने कहा कि आलोचना निष्पक्ष व रचनात्मक होनी चाहिए. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में दूसरों की आस्था को आहत नहीं करना चाहिए. अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल संविधान के तहत तर्कसंगत तरीके से करना चाहिए. हालांकि, सरकार इस दिशा में प्रयास करती आयी है, लेकिन वे नाकाफी साबित हुए हैं. केंद्र सरकार ने संसद के मौजूदा सत्र के दौरान एक सवाल के जवाब में जानकारी दी है कि देश में झूठ और नफरत फैलाने वाले 7819 वेबसाइट लिंक और सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की गयी है. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री संजय धोत्रे ने एक लिखित जवाब में बताया कि इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंसा भड़काने वाली सूचनाएं भी बढ़ी हैं. इसके मद्देनजर कार्रवाई भी तेज हुई है. उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में कई वेबसाइट, वेबपेज और सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक किया गया है. वर्ष 2017 में 1385, 2018 में 2799 और 2019 में 3635 वेबसाइट, वेबपेज और सोशल मीडिया अकाउंट्स को बंद कराया गया. इस प्रकार पिछले तीन साल में 7819 अकाउंट और वेबसाइट के खिलाफ कार्रवाई हुई है. फेक न्यूज को अपराध की श्रेणी में रखा गया है, लेकिन इसके प्रचार-प्रसार को रोकने में यह उपाय भी बेअसर साबित हुआ है. नेशनल क्राइम ब्यूरो की 2017 की रिपोर्ट के मुताबिक देश में फेक न्यूज को लेकर कुल 257 मामले दर्ज किये गये हैं. रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में फेक न्यूज और अफवाह फैलाने के सबसे अधिक 138 मामले दर्ज किये गये, जबकि उत्तर प्रदेश में फेक न्यूज के 32, केरल में 18 और जम्मू-कश्मीर में फेक न्यूज के केवल चार मामले ही दर्ज किये गये. फेक न्यूज को लेकर नेशनल क्राइम ब्यूरो ने ऐसे मामलों को शामिल किया है जो आइपीसी की धारा 505 और आइटी एक्ट के तहत दर्ज किये गये हैं. फेक न्यूज की समस्या इसलिए भी जटिल होती जा रही है क्योंकि देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है. अभी भारत में 74.3 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं. दरअसल, भारत सोशल मीडिया कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है. विभिन्न स्रोतों से मिले आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में व्हाट्सएप के एक अरब से अधिक सक्रिय यूजर्स हैं. इनमें से 16 करोड़ भारत में ही हैं. फेसबुक इस्तेमाल करने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 15 करोड़ है और ट्विटर अकाउंट्स की संख्या 2 करोड़ से ऊपर है. बीबीसी ने फेक न्यूज को लेकर भारत सहित कई देशों में अध्ययन किया है. इस शोध की रिपोर्ट के अनुसार लोग बिना खबर या उसके स्रोत की सत्यता जांचे सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर उसका प्रचार-प्रसार करते हैं. हमें करना यह चाहिए कि कोई भी सनसनीखेज खबर की एक बार जांच अवश्य करें ताकि हम फेक न्यूज का शिकार होने से बच सकें. मैं जानता हूं कि यह करना आसान नहीं है और यह अपने आप में बड़ी चुनौती है.

सम्पादकीय

आत्मनिर्भरता में बैंकों का योगदान

बैंक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. यह लोगों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने और रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम है. कोरोना महामारी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत खस्ताहाल हो गयी है. नुकसान की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 21 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की है और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए कहा है. घोषित पैकेज के तहत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, ग्रामीण क्षेत्र में किफायती आवास आदि के लिए अनेक प्रावधान हैं. नीतिगत उपायों के जरिये भी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की पहल की गयी है. इन पहलों को कारगर बनाने की दिशा में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक स्टेट बैंक ने योनो डिजिटल मंच पर किसान ई-स्टोर खोला है, जहां किसानों के लिए जरूरी कई उत्पाद ऑनलाइन एवं सस्ती दर पर उपलब्ध हैं. स्टेट बैंक किसानों के लिए मंडी, मित्र और कृषि गोल्ड ऋण आदि की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है. मंडी के अंतर्गत किसानों की गैर बैंकिंग जरूरतों को पूरा किया जा रहा है तथा उन्हें बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है, जहां किसान बिना किसी बिचौलिये के लेन-देन कर रहे हैं. बैंक ने किसानों को अन्य फोरम भी उपलब्ध कराया है, जिसके तहत वे बीज, उर्वरक, कृषि उत्पाद आदि सस्ती दरों पर खरीद रहे हैं. इससे जुड़े किसान इनकी खरीददारी के लिए बैंक से ऋण भी ले सकते हैं. यह मंच रियल टाइम बेसिस पर किसानों को बाजार में चल रहे फसलों के भाव, फसल प्रबंधन, फसल बीमा, कृषि तकनीकी समस्याओं का समाधान, कोल्ड स्टोरेज आदि की जानकारियां भी उपलब्ध करा रहा है. योनो के अन्य मंचों के जरिये किसान कृषि उपकरण खरीद रहे हैं. एग्रोस्टार भारत का पहला तकनीकी स्टार्टअप है, जो कृषि से जुडी समस्याओं का समाधान पेश करता है. इस पर मिस्डकाल या एप के जरिये किसान अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं. इनके अलावा मौसम संबंधी जानकारियों को हासिल करने के लिए स्काइमेटवेदर मंच उपलब्ध है. बैंक छोटे और मझोले कारोबारियों को संपत्ति के एवज में ऋण, ग्रामीण क्षेत्र में पेट्रोल पंप डीलरों एवं अन्य डीलरों को ऋण, वेयरहाउस रिसीट पर ऋण अर्थात वेयरहाउस में रखे अनाज के बदले ऋण, दाल, चावल, चीनी, कपडा आदि मिलों के लिए ऋण, शिक्षा ऋण, दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए वैयक्तिक ऋण, ग्रामीण क्षेत्र में क्लिनिक खोलने के लिए डॉक्टर प्लस ऋण, स्कूल या महाविद्यालय खोलने के लिए ऋण आदि भी मुहैया करा रहे हैं. ग्रामीण कॉर्पोरेट टाई-अप के जरिये अपनी फसलों या कृषि उत्पादों को सीधे कॉर्पोरेट को बेच रहे हैं, जिससे उन्हें स्थानीय मंडी जाने की जरूरत नहीं होती है. उन्हें बिचौलियों से भी छुटकारा मिल जाता है. इससे किसानों के दुलाई और भाड़े पर होने वाले खर्च बच रहे हैं. बैंक किसानों को जमीन खरीदने, एग्री किलीनिक खोलने, पॉली हाउस बनाने, कंबाइंड हार्वेस्टर खरीदने, पशुपालन, मछलीपालन, मशरूम की खेती करने, कुक्कट पालन, सुअर पालन, हार्टीकल्चर, बकरीपालन, सेरीकल्चर, भेड़ पालन, मधुमक्खी पालन, ट्रैक्टर, पंपसेट व पाइपलाइन खरीदने आदि के लिए भी ऋण दे रहे हैं. कोरोना काल में प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों, इसके लिए सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है. यह लाभ शिशु मुद्रा ऋण लेनेवाले लगभग तीन करोड़ लाभार्थियों को कम ब्याज दर के रूप में देने का प्रस्ताव है. इसके तहत तीन प्रकार के ऋण, यथा, शिशु, किशोर और तरुण दिये जाते हैं. शिशु योजना के तहत पचास हजार रुपये तक का ऋण कम ब्याज दर और आसान शर्तों पर दिया जाता है. किशोर योजना के तहत स्वरोजगार शुरू करने वाले व्यक्ति को पचास हजार रुपये से पांच लाख रुपये तक तक ऋण दिया जाता है और तरुण योजना के तहत कारोबार शुरू करने के लिए पांच लाख से दस लाख रुपये तक का ऋण जरुरतमंदों को दिया जाता है. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (सांख्यिकी मंत्रालय) के 2018 में जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, देश में करीब छह करोड़ लघु उद्योग हैं, जिनमें 12 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं. अधिकांश लघु उद्योग प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण की वजह से चल रहे हैं. एक अनुमान के अनुसार, इस योजना की मदद से देश में 3.5 करोड़ से अधिक लोग रोजगाररत हैं. ग्रामीणों को बैंक से जोड़ने, महिलाओं का सशक्तीकरण करने, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण या सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों के खाते में डालने, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देकर ग्रामीणों की पहुंच दुनिया के बाजार तक करने, बिचौलिये की भूमिका को खत्म करने आदि का काम भी किया जा रहा है. देश में लगभग 1.30 लाख से अधिक बैंक शाखाओं का नेटवर्क है.

किसानों के लिए वास्तव में काम करना होगा

राज्यसभा में रविवार को विपक्ष के शोर शराबे, हंगामे माइक छीनने, तोड़ने और रूल बुक फड़ने के बीच खेती में सुधार से जुड़े दो प्रमुख बिल किसान उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक और किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा समझौता विधेयक ध्वनिमत से पास हो गये। सरकार ने इन बिलों को पास कराते हुए कहा कि इससे किसानों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आयेगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने सदन में बिल पेश किया। राज्यसभा में सरकार का बहुमत न होने के बावजूद गैर-राजग, गैर-संप्रग राजनीतिक दलों के फ्लोर मैनेजमेंट के जरिये पास करा लिया। तमिलनाडु की जयललिता की पार्टी आल इंडिया द्रविण मुनेत्र कषगम के नौ सदस्य सरकार के पक्ष में खड़े रहे जिन्होंने सरकार द्वारा पेश इस बिल को संजीवनी देने का काम किया। तृणमूल कांग्रेस के सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने बिल के विरोध में अब तक की परम्पराओं के भिन्न राज्यसभा के उपसभापति का माइक छीनने व तोड़ने का प्रयत्न किया। यही नहीं, उन्होंने उपसभापति के सामने रखी रूल बुक को भी फाड़कर एक इतिहास बना डाला। खेती से जुड़े इस बिल को लेकर सदन के अन्दर और सदन से बाहर दोनों ही स्तरों पर हंगामा रहा। विरोध के स्वर वैसे तो देश के सभी हिस्सों में दिखाई दिये लेकिन पंजाब और हरियाणा के किसान सबसे ज्यादा आंदोलित रहे। किसान संगठन और विपक्षी राजनीतिक दल इस बिल को काला कानून तथा किसानों को गुलाम बनाने की दलीलें देते रहे। विपक्ष की मांग थी कि इसे सेलेक्ट कमेटी को भेज दिया जाये। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा, बसपा के साथ ही शिरोमणि अकाली दल भी इन बिलों को पास कराने विरोध में था। यहां तक कि शिरोमणि अकाली दल के कोटे से सरकार में मंत्री रहीं हरसिमरत कौर ने इन्हीं बिलों के लोकसभा में पास होने के बाद इस्तीफा दे दिया था। शिरोमणि अकाली दल सरकार का बाहर से समर्थन करने के बावजूद राज्यसभा में इन बिलों पर विरोध में अपना मत रखा।

कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राकांपा, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, अन्य दल भी बिल को पास न होने देने के लिए एकजुटता प्रदर्शित कर रहे थे लेकिन संख्याबल का प्रबन्धन सरकार ने कर लिया जिसके कारण यह बिल पास हो गया। बिल पास होने के साथ ही सदन की कार्यवाही भी कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस ने कहा कि इस बिल का समर्थन करना किसानों के डेथ वारण्ट पर हस्ताक्षर करने जैसा है। सरकार ने वास्तव में आपदा में अवसर तलाश कर लिया है जब पूरा देश कोरोना के संकट और अर्थव्यवस्था की मंदी से गुजर रहा है। लोगों के काम के अवसर घट गये हैं, नौकरियां खत्म हो रही हैं, उद्योग-धंधे मरणासन्न हो गये हैं। ऐसे में खेती ही वह रास्ता बचता है जिससे कुछ उम्मीद बंधी थी अब सरकार ने इसे भी यह बताकर कि इन बिलों से किसान आजाद हो गया है अब तक वह गुलामी में जी रहा था, लुभाने की कोशिश कर रही है। सरकार पहले अध्यादेश लेकर आई थी तभी से किसानों में विरोध की सुगबुगाहट होने लगी थी। संसद सत्र के शुरू होने के साथ ही यह आंदोलन का रूप धारण करता जा रहा है। सब कुछ बाजार के भरोसे करके सरकार धीर-धीरे अपना पल्ला छुड़ाना चाह रही है जिस प्रकार किसानों से जुड़े बहुत सी योजनाओं की सब्सिडी खत्म कर दी गई उसी प्रकार आत्मनिर्भर किसान के नाम पर वह इन बिलों के माध्यम से बाजार के भरोसे किसान को छोड़ देना चाह रही है। सबसे अधिक संख्या लघु एवं मध्यम किसानों की है जोतें छोटी हैं आबादी बढ़ चुकी है। कांट्रेक्ट फार्मिंग के जरिये पंजाब में कुछ फसलों पर प्रयोग किया जा चुका है जिसके फलस्वरूप किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। यही कारण है कि पंजाब और हरियाणा के किसान ज्यादा आंदोलित हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों की आय दुगुनी करने का वायदा किया था जो आंकड़ों के जाल में फंसी हुई है। सरकार का दावा है कि उसने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू किया है। देश में 70 फीसदी से भी अधिक लोग खेती पर आश्रित हैं। एक करोड़ से भी अधिक की आबादी जो गांवों से पलायन करके शहरों में रोजी-रोटी के लिए गई थी, कोरोना और लॉकडाउन के दौरान तमाम कष्ट सहते हुए पुलिस की लाठियां खाते हुए, भूख-प्यास से बेहाल पैदल, साइकिल, रिक्शे, टेम्पों से अपनी खेती की ओर लौटी क्योंकि उसे उम्मीद की यही एक किरण नजर आई। शहर जो उसके लिए परदेश था, जहां वह कमाने गया था किसी ने उसे ठौर नहीं दिया कि वह अपना भविष्य वहां देख सके। खेती वह आधार थी, जहां एक बीज से सौ दाने निकलते हैं फिर भी किसान की हालत इतनी पतली है कि यदि उसके बच्चे बाहर से कमाकर न दें तो वह खेती करने में सक्षम नहीं हो सकता है। गांवों में नकदी की भारी कमी बनी रहती है। गांव में मजदूरी करने पर काम के उसे पैसे उसी दिन नहीं मिल पाते हैं। मनरेगा का बड़ा शोर रहता है लेकिन उसकी धनराशि भी इन मजूदरों को तत्काल नहीं मिल पाती है। ऐसे में युवाओं के शहरों में पलायन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है जिसके कारण गांव गिरांव युवाओं से खाली हो गये। जिसकी असलियत लॉकडाउन के दौरान पड़ी जब यही लोग बेहाली, बदहाली के साथ अपने घरों की ओर लौटने लगे। जिस प्रकार खुले बाजार में किसानों के उत्पादों के बिक्री की बात की जा रही है किसानों का शोषण तय है। न्यूनतम समर्थन मूल्य भी छोटे और मध्यम दर्जे के किसानों को नहीं मिल पाता है उनकी फ सलें बिचौलिया उनके घरों से खरीद लेता है और वही जाकर सरकार के केन्द्रों पर देता है। ऐसे छोटे और मध्यम किसानों को केन्द्र तक अपनी फ सल ले जाने का भाड़ा वहां खड़े रहने का संकट और फिर गुणवत्ता के नाम पर औने-पौने में बेचने से बच जाता है। वह घर पर ही समर्थन मूल्य से कम में बेचकर छुट्टी पा जाता है। कोरोना काल को प्रधानमंत्री ने आपदा में अवसर तलाशने की बात कही थी लोग उसे नहीं तलाश सके लेकिन सरकार ने इस आपदा के बीच विपक्ष के सुझाव को दरकिनार करते हुए खेती से सम्बन्धित अध्यादेश ले आई जिसे उसने अब कानून की शक्ल में पास करा दिया है। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही यह कानून का रूप ले लेगा। इस बिल का विरोध करने वाली कांग्रेस पर सरकार यह आरोप लगा रही है कि कांग्रेस स्वयं इसे लागू करना चाहती थी लेकिन उसने भी इस प्रकार के उपाय सुझाये थे। सत्ता से बाहर होने के कारण वह ऐसा करने में सक्षम नही हो पाई। कोरोना काल में जब लॉकडाउन व अन्य कारणों से सभी उद्योग धंधे बंद हो गये थे किसानों ने बीड़ा उठाया जिसकी बदौलत अर्थव्यवस्था कुछ ठहरी हुई है। सरकार ने भी गरीबों को अनाज देने की योजना इसलिए कारगर हो पाई क्योंकि किसानों ने अनाज पैदा करके सरकार के भंडार भर रखे थे। खेती किसान का जीवन है वह यदि अन्न न उपजाता तो कोरोना और लॉकडाउन के काल में स्थिति कहीं अधिक भयावह हो जाती। किसान ने लॉकडाउन में पुलिस की लाठियां खाकर भी अन्न का उत्पादन किया उसकी सुरक्षा की। जिसे सरकार अपनी उपलब्धि में गिनती है।किसानों को यदि बेहतर सुविधाएं उनकी उपज में लागत को दोगुना वास्तव में मिल जाता तो किसान का जीवनस्तर भी ऊंचा उठ जाता। जो किसान धान, गेंहू जैसी न्यूनतम जरूरत की फसलें उगाते हैं उसी के साथ वे गन्ना, मेंथा, आलू, कपास जैसी कुछ नकदी फसलें भी ले लेते हैं जिससे उनके हाथों में कुछ नकदी भी आ जाती है जिसके भरोसे उनका जीवन चल पाता है।

स्कूली शिक्षा की बदहाली और प्राइवेट स्कूल

भारत में जब भी स्कूली शिक्षा की बदहाली की बात होती है तो इसका सारा ठीकरा सरकारी स्कूलों के मत्थे मढ़ दिया जाता है, इसके बरक्स प्राइवेट स्कूलों को श्रेष्ठ अंतिम विकल्प के तौर पर पेश किया जाता है। भारत में शिक्षा के संकट को सरकारी शिक्षा व्यवस्था के संकट में समेट दिया गया है और बहुत चुतराई से प्राइवेट शिक्षा व्यवस्था को बचा लिया गया है। भारत में सरकारों की मंशा और नीतियां भी ऐसी रही हैं जो सावर्जनिक शिक्षा व्यवस्था को हतोत्साहित करती हैं। लेकिन निजीकरण की लाबी द्वारा जैसा दावा किया जाता है क्या वास्तव में प्राइवेट शिक्षा व्यवस्था उतनी बेहतर और चमकदार है ?बदहाली के भागीदार आम तौर पर हमें सरकारी स्कूलों के बदहाली से सम्बंधित अध्ययन रिपोर्ट और खबरें ही पढ़ने को मिलती है परन्तु इस साल जुलाई में जारी की गयी सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की रिपोर्ट प्राइवेट स्कूल इन इंडियाश् में देश में प्राइवेट स्कूलों को लेकर दिलचस्प खुलासे किये गये हैं जिससे प्राइवेट स्कूलों को लेकर कई बनाये गये मिथक टूटते हैं। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान प्राइवेट स्कूलों के दायरे में जबरदस्त उछाल आया है, आज भारत में प्राइवेट स्कूलों की संख्या और पहुंच इतनी है कि यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्कूली सिस्टम बन चुका है, स्कूली शिक्षा के निजीकरण की यह प्रक्रिया उदारीकरण के बाद बहुत तेजी से बढ़ी है। 1993 में करीब 9।2 प्रतिशत बच्चे ही निजी स्कूलों में पढ़ रहे थे जबकि आज देश के तकरीबन 50 प्रतिशत (12 करोड़) बच्चे प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे हैं। जिसके चलते आज भारत में प्राइवेट स्कूलों का करीब 2 लाख करोड़ का बाजार बन चुका है।गढ़ी गई छवि के विपरीत प्राइवेट स्कूलों के इस फैलाव की कहानी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी, मनमानेपन, पारदर्शिता की कमी जैसे दाग भी शामिल हैं। दरअसल भारत में निजी स्कूलों की संख्या तेजी से तो बढ़ी है लेकिन इसमें अधिकतर श्बजट स्कूलश् हैं जिनके पास संसाधनों और गुणवत्ता की कमी है, लेकिन इसके बावजूद मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लोग सरकारी स्कूलों के मुकाबले इन्हीं स्कूलों को चुनते हैं। सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है कि करीब 70 प्रतिशत अभिभावक निजी स्कूल को 1,000 रुपये प्रतिमाह से कम फीस का भुगतान करते हैं, जबकि 45 अभिभावक निजी स्कूलों में फीस के रूप में 500 रुपये महीने से कम भुगतान करते हैं।सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की रिपोर्ट इस भ्रम को भी तोड़ती है कि प्राइवेट स्कूल गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा दे रहे हैं, रिपोर्ट के अनुसार भारत के ग्रामीण व छोटे शहरों में चलने वाले 60 प्रतिशत निजी स्कूलों में पांचवीं कक्षा के छात्र सामान्य प्रश्न को हल भी नहीं कर पाते हैं, जबकि कक्षा पांचवीं के 35 फीसदी छात्र दूसरी कक्षा का एक पैराग्राफ भी नहीं पढ़ पाते हैं। यह स्थिति ग्रामीण व छोटे शहरों में चलने वाले प्राइवेट स्कूलों की ही नहीं है, रिपोर्ट के अनुसार निजी स्कूलों में पढ़ने वाले सबसे संपन्न 20 फीसदी परिवारों के 8 से 11 साल के बीच के केवल 56 फीसदी बच्चे ही कक्षा 2 के स्तर का पैरा पढ़ सकते हैं। बड़ी कक्षाओं और बोर्ड परीक्षाओं में भी प्राइवेट स्कूलों की स्थिति ख़राब है, राष्ट्रीय मूल्यांकन सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि निजी स्कूलों में कक्षा दसवीं के छात्रों का औसतस्कोर पांच में से चार विषयों में 50 प्रतिशत से कम था। कई राज्य और केंद्रीय बोर्ड परिक्षाओं में भी हम देखते हैं कि सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से बेहतर नतीजे दे रहे हैं। मिसाल के तौर पर मध्यप्रदेश में इस वर्ष के दसवीं परीक्षा के जो नतीजे आये हैं उसमें प्राइवेट स्कूलों की अपेक्षा सरकारी स्कूल के छात्र आगे रहे, जिसके तहत सरकारी स्कूलों के 63.6 प्रतिशत के मुकाबले प्राइवेट स्कूलों के 61.6 प्रतिशत परीक्षार्थी ही पास हुए हैं, यह स्थिति प्रदेश के सभी जिलों में रही है। यही हाल इस साल के बारहवीं के रिजल्ट का भी रहा है, इस वर्ष बारहवीं के एमपी बोर्ड के रिजल्ट में सरकारी स्कूलों के 71.4 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुये जबकि प्राइवेट स्कूलों में पास होने वाले विद्यार्थियों का दर 64.9 प्रतिशत रहा है। इन परिस्थितियों के बावजूद भारत में स्कूली शिक्षा के निजीकरण की लॉबी इस विचार को स्थापित करने में कामयाब रही है कि भारत में स्कूली शिक्षा के बदहाली के लिए अकेले सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था ही जिम्मेदार है और शिक्षा के निजीकरण से ही इसे ठीक किया जा सकता है। आज भी निजीकरण लॉबी की मुख्य तौर पर दो मांगें हैं पहला स्कूल खोलने के नियम को ढीला कर दिया जाये। गौरतलब है कि हमारे देश में स्कूल खोलने के एक निर्धारित मापदंड हैं जिसे प्राइवेट लॉबी अपने लिये चुनौती और घाटे का सौदा मानती है और दूसरा जो कि उनका अंतिम लक्ष्य भी है, सरकारी स्कूलों के व्यवस्था को पूरी तरह से भंग करके इसे बाजार के हवाले कर दिया जाये। दरअसल भारत में स्कूली शिक्षा की असली चुनौती सरकारी स्कूल नहीं बल्कि इसमें व्याप्त असमानता और व्यवसायीकरण है। आज भी हमारे अधिकतर स्कूल चाहे वे सरकारी हों या प्राइवेट बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं जिसकी वजह से प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के बाद बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने का दर बहुत अधिक है। आजादी के बाद से ही हमारे देश में शिक्षा को वो प्राथमिकता नहीं मिल सकी जिसकी वो हकदार है। इतनी बड़ी समस्या होने के बावजूद हमारी सरकारें इसकी जवाबदेही को अपने ऊपर लेने से बचती रही हैं। एक दशक पहले शिक्षा अधिकार कानून को लागू किया गया लेकिन इसकी बनावट ही समस्या को संबोधित करने में नाकाम साबित हुई है।समाज और व्यवस्था को यह सुनिश्चित करना पड़ेगा कि हर चीज मुनाफा कूतने के लिये नहीं हैं जिसमें शिक्षा भी शामिल है। शिक्षा और स्वास्थ्य दो ऐसे बुनियादी क्षेत्र हैं जिन्हें आप सौदे की वस्तु नहीं बना सकते हैं। इन्हें लाभ-हानि के गणित से दूर रखना होगा। शिक्षा में अवसर की उपलब्धता और पहुंच की समानता बुनियादी और अनिवार्य नियम है जिसे बाजारीकरण से हासिल नहीं किया जा सकता है। लेकिन वर्तमान में जिस प्रकार की सावर्जनिक शिक्षा व्यवस्था और सरकारी स्कूल हैं वह भी इस लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम साबित हुई है। इसलिये यह भी जरूरी है कि सावर्जनिक शिक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिये इसमें समाज की जिम्मेदारी और सामुदायिक सक्रियता को बढ़ाया जाये। जिससे स्कूली शिक्षा के ऐसे मॉडल खड़े हो सकें जो शिक्षा में श्अवसर की समानताश् के बुनियाद पर तो खड़े ही हों साथ ही शिक्षा के उद्देश्य और दायरे को भी विस्तार दे सकें जिसमें ज्ञान और कौशल के साथ तर्क, समानता, बन्धुत्व के साथ जीवन जीने के मूल्य भी सिखा सकें।

सार समाचार .....

क्वारैंटाइन पीरियड पूरा कर दुबई के मैदान पर पहुंचीं प्रिटी जिंटा

नई दिल्ली **एजेंसी।**

आईपीएल का दूसरा मैच ही सुपर ओवर तक गया। एक समय पंजाब की जीत लगभग तय थी, लेकिन दिल्ली ने आखिरी 2 गेंदों पर 2 विकेट झटक कर मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया। इसके बाद दिल्ली ने सुपर ओवर में मैच अपने नाम किया। इस बीच, क्वारैंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद किंग्स इलेवन पंजाब की को-ओनर प्रिटी जिंटा भी दुबई के स्टेडियम में पहुंचीं। आइए फोटोज में देखते हैं मैच के टाई होने और सुपर ओवर का रोमांच...

1. 19वें ओवर की चौथी बॉल पर मयंक अग्रवाल को एक और जीवनदान मिला। दिल्ली के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री पर मयंक का कैच छोड़ा। उस समय पंजाब को जीत के लिए 14 बॉल पर 20 रन बनाने थे। 2. पंजाब को जीत के लिए आखिरी 2.गेंद पर 2 रन चाहिए थे। 20वें ओवर में मार्कस स्टोइनिस ने 5वीं गेंद पर मयंक अग्रवाल और आखिरी गेंद पर क्रिस जॉर्डन को आउट कर पंजाब के हाथ से जीत छीन ली। 3. सुपर ओवर से पहले मैच के हीरो रहे मार्कस स्टोइनिस। स्टोइनिस ने बैटिंग करते हुए 53.रन बनाए और गेंदबाजी में आखिरी 2 गेंदों में 2 विकेट भी लिए। 4. सुपर ओवर में दिल्ली के कगिसो रबाडा ने शानदार गेंदबाजी की। रबाडा ने 3 बॉल पर 2 रन दिए और केएल राहुल और निकोलस पूरन का विकेट लेकर मैच का रूख बदल दिया। 5. इसके बाद दिल्ली की ओर से ऋषभ पंत ने आसानी से अपनी टीम को मैच जीता दिया। मोहम्मद शमी ने इस ओवर में एक वाइड समेत 3 रन दिए। 6. सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब को हराकर 2 प्वाइंट्स हासिल किए। पिछले 4 सीजन में पंजाब पहली बार टूर्नामेंट का पहला मैच हारा है। 7. मैच के दौरान पहली पारी की आखिरी गेंद पर थोड़ा ड्रामा भी देखने को मिला। क्रिस जॉर्डन की लास्ट बॉल पर स्टोइनिस रन-आउट हो गए। तभी थर्ड अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दे दिया। इसके बाद अंपायर ने फ्री-हिट का सिग्नल करते हुए जॉर्डन को आखिरी बॉल फेंकने को कहा। हालांकि स्टोइनिस को पवैलियन वापस लौटना पड़ा।

हमने कुछ गलतियां की इससे सीख लेंगे : राहुल

दुबई एजेंसी। दुबई,21 सितंबर । दिल्ली कैपिटल्स के हाथों आईपीएल 13 के अपने पहले मुकाबले में सुपर ओवर में मिली हार के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि उनकी टीम ने मैच में कुछ गलतियां की लेकिन यह टीम का टूर्नामेंट में पहला मैच था और वह इससे सीख लेकर आगे बढ़ेंगे। दिल्ली ने पंजाब को रविवार को सांसों को रोक देने वाले आईपीएल-13 के बेहद रोमांचक मुकाबले में सुपर ओवर में पराजित किया था। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 157 रन बनाए थे जबकि पंजाब की टीम भी 20 ओवर में आठ विकेट पर 157 रन ही बना सकी थी जिसके बाद मैच का फैसला सुपर ओवर के जरिए किया गया। कप्तान ने बल्लेबाज मयंक अग्रवाल की पारी की सराहना की और कहा कि उन्होंने जिस तरह हमें मैच के करीब तक पहुंचाया वो वाकई करिश्माई था। पंजाब की ओर से मयंक ने शानदार बल्लेबाजी की और 60 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 89 रन बनाए। राहुल ने कहा, अगर 10 ओवर के बाद कोई कहता कि मैच सुपर ओवर में जाएगा।

कोहली के पास वॉर्नर से 2016 फाइनल की हार का बदला लेने का मौका

आईपीएल के 13वें सीजन का तीसरा मैच सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच आज दुबई में खेला जाएगा। आरसीबी के कप्तान विराट कोहली के पास सनराइजर्स के कैप्टन डेविड वॉर्नर से 2016 फाइनल की हार का बदला लेने का मौका है। तब वॉर्नर ने कोहली को 8 रन से हराकर दूसरी बार खिताब जीता था। पिछले सीजन में आरसीबी सबसे निचले 8वें पायदान पर रही थी। जबकि हैदराबाद एलिमिनेटर तक पहुंची थी।

मुंबई।

इससे पहले हैदराबाद 2009 में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट की कप्तानी में आईपीएल खिताब जीत चुकी है। तब टीम का नाम डेक्कन चार्जर्स था। 2013 में सन टीवी नेटवर्क ने टीम को खरीदकर नाम बदला था। कोहली एक टीम के लिए 50+ मैच जीतने वाले चौथे कप्तान हो सकते हैं वहीं, आरसीबी ने 2016 के अलावा 2011 में डेनियल विटोरी और 2009 में अनिल कुंबले की कप्तानी में फाइनल खेला था। हर बार टीम की किस्मत खराब ही रही। विराट आरसीबी के सबसे सफल कप्तान हैं। उन्होंने 110 मैच में टीम की कप्तानी की और 49 में जीत दिलाई। हैदराबाद के खिलाफ मैच जीतते ही विराट आईपीएल में एक टीम को 50+ मैच जिताने वाले चौथे कप्तान बन जाएंगे।

इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स, गौतम गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स और रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को इतने मैच जिताए हैं। धोनी अकेले कप्तान हैं, जिन्होंने सीएसके को 100 मैच जिताए हैं।

दोनों टीम के महंगे खिलाड़ी

हैदराबाद में वॉर्नर सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 12.50 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में मनीष पांडे का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, आरसीबी में कोहली 17 करोड़ और एबी डिविलियर्स 11 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं।

दोनों टीमों में स्पिनर्स की अहम भूमिका रहेगी

हैदराबाद के पास दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज और लेग स्पिनर राशिद खान हैं। नंबर-1 ऑलराउंडर और ऑफ स्पिनर मोहम्मद नबी के अलावा बाएं हाथ के स्पिनर नदीम भी हैं। वहीं, बेंगलुरु में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल, एडम जंपा और ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर भी हैं।

पिच और मौसम रिपोर्ट- दुबई में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 27 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। यहां हुए पिछले 62 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 56.45त्न रहा है।

इस मैदान पर हुए कुल टी-20- 62

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती- 35

पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती- 26

पहली पारी में टीम का औसत स्कोर- 144

दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर- 122

दोनों के बीच अब तक 15 मुकाबले हुए हैं। इसमें हैदराबाद ने 8 जबकि बेंगलुरु ने 6 मैच जीते हैं। 1 मुकाबला बेनतीजा रहा है। पिछले दोनों सीजन की बात की जाए तो दोनों टीमों के बीच हुए 4 मैच में 2-2 की बराबरी रही है।

वॉर्नर और विलियम्सन हैदराबाद की मजबूत बल्लेबाजी

हैदराबाद के पास वॉर्नर के अलावा जॉनी बेयरस्टो, केन विलियम्सन, प्रियम गर्ग और मनीष पांडे जैसे धुरंधर बल्लेबाज हैं। बॉलिंग में भुवनेश्वर कुमार के अलावा खलील अहमद और युवा विराट सिंह भी हैं।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर

आरसीबी में विराट कोहली के अलावा एबी डिविलियर्स और एरॉन फिंच जैसे दिग्गज बल्लेबाज हैं। ऑलराउंडर में टीम के पास क्रिस मॉरिस, मोइन अली और वाशिंगटन सुंदर हैं। बॉलिंग डिपार्टमेंट में आरसीबी को युजवेंद्र चहल के अलावा उमेश यादव और नवदीप सैनी मजबूती देते नजर आएंगे। कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा 5412 रन बनाने वाले प्लेयर भी हैं।

प्रिटी जिंटा बोलीं- 5 बार कोरोना टेस्ट कराने पर भी मुस्कुराती रही

मैनचेस्टर , एजेंसी। आईपीएल का दूसरा ही मैच रोमांचक रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच मे दिल्ली कैपिटल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के 19 वें ओवर में मयंक अग्रवाल के एक रन को अंपायर नितिन मेनन के शॉर्ट रन करार दिया था। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अंपायर नितिन मेनन के इस निर्णय को गलत बताया। मोहम्मद कैफ सहित अन्य क्रिकेटरों ने अपनी राय रखी है। इस मामले को लेकर किंग्स इलेवन पंजाब ने मैच रेफरी से अपील भी।

सहवाग, कैफ और प्रिटी जिंटा ने क्या कहा

प्रिटी जिंटा ने ट्वीट कर कहा- 5 बार कोरोना टेस्ट कराने पर भी मुस्कुराती रही, लेकिन मयंक अग्रवाल के रन को शॉर्ट बताने पर दुख हुआ। सहवाग ने ट्वीट में कहा- यह शॉर्ट रन नहीं था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा ÷मैं मैन ऑफ द मैच से खुश नहीं हूं। इसे शॉर्ट रन देने वाले अंपायर को मिलना चाहिए।

पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद कैफ ने ट्वीट कर कहा- बड़े, बड़े टूर्नामेंट में छोटी-छोटी गलतियां होती रहती हैं। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी ट्वीट कर कहा कि यह छोटा रन नहीं था। इसमें तकनीक का सहारा लेना चाहिए था। अगर किंग्स इलेवन पंजाब अंतिम चार में केवल 2 पॉइंट से नहीं पहुंच पाया तो क्या होगा? 19 वें ओवर में मयंक अग्रवाल के पहले रन को शॉर्ट रन करार दिया गया था

दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए किंग्स इलेवन पंजाब को 158 रन का टारगेट दिया। टारगेट का पीछा करते हुए पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही। 55 रन पर ही आधी टीम पवेलियन लौट गई थी। वहीं, ओपनर मयंक अग्रवाल एक छोर संभाले रखे। मैच के 19 वें में ओवर में मयंक अग्रवाल अपना पहला रन लेने के दौरान एक्सट्रा कवर के बाहर चले गए थे। फील्ड अंपायर नितिन मेनन ने इसे शॉर्ट रन दे दिया। यह ओवर कगिसो रबाडा का आखिरी ओवर भी था।

सुपर ओवर में दिल्ली ने पंजाब को हराया

वहीं पंजाब आखिरी बॉल पर एक रन नहीं बना सकी। जिसके कारण मैच सुपर ओवर में चला गया। सुपर ओवर में दिल्ली ने पंजाब को हरा दिया। कगिसो रबाडा दिल्ली की जीत के हीरो रहे। उन्होंने सुपर ओवर में सिर्फ 2 रन देकर 2 विकेट लिए। पंजाब ने सुपर ओवर में महज 2 रन बनाए, यह आईपीएल में सुपर ओवर का सबसे छोटा स्कोर था। दिल्ली ने 2 बॉल में ही 3 रन का टारगेट हासिल कर मैच जीत लिया।

मार्कस स्टोइनिस मैन ऑफ द मैच रहे, उन्होंने 53 रन बनाए

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने 13 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ऋषभ पंत (31) और कप्तान श्रेयस अय्यर (39) ने पारी को संभालते हुए चौथे विकेट के लिए 73 रन की पार्टनरशिप की। आखिर में मार्कस स्टोइनिस ने 21 बॉल पर 53 रन की पारी खेलकर दिल्ली का स्कोर 8 विकेट पर 157 रन तक पहुंचाया। स्टोइनिस को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

आईपीएल में सबसे ज्यादा अर्धशतक मारने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का था मौका

नई दिल्ली | एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच रविवार को खेले गए मैच के दौरान शिखर धवन खाता खोले बगैर आउट हो गए। इस तरह धवन ने सुरेश रैना से रिकॉर्ड बराबरी करने का पहला मौका गंवा दिया। धवन रैना से सिर्फ एक अर्धशतक पीछे हैं। अगर उनके बल्ले से पचास रन निकल जाते, तो वे रैना के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेते। हालांकि, इस सीजन में रैना ने हिस्सा नहीं लिया है इसलिए धवन को उनके रिकॉर्ड तक

पहुंचने और उसे तोड़ने के और मौके मिलेंगे।

किसके कितने अर्धशतक

धवन ने अभी तक आईपीएल में 159 मैचों में 37 अर्धशतक मारे हैं और उन्हें रैना के 38 अर्धशतक की बराबरी के लिए सिर्फ एक और अर्धशतक की जरूरत है। रैना आईपीएल में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। हालांकि, यह मैच दिल्ली का पहला मैच था जो रोमांच से भरपूर रहा। दिल्ली ने मार्कस स्टोनिश के 21 गेंदों पर 53 रनों की मदद से 20 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए थे। पंजाब भी 20 ओवरों में इतने ही रन बना सकी और मैच सुपर ओवर में गया। सुपर ओवर में दिल्ली के रबाडा ने पंजाब को सिर्फ दो रन ही बनाने दिए।

कप्तान स्टीव स्मिथ, ऑलराउंडर स्टोक्स और जोस बटलर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहला मैच नहीं खेल सकेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल 2020 का आगाज हो चुका है। चेन्नई सुपर किंग्स के बाद रविवार को खेले गए आईपीएल-13 के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब को सुपर ओवर में हरा कर जीत के साथ शुरुआत की। सभी टीमों की कोशिश यही है कि जीत के साथ ही आईपीएल की शुरुआत की जाए। मंगलवार 22 सितंबर को आईपीएल का चौथा मैच शारजाह में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स बीच खेला जाना है। लेकिन राजस्थान के लिए पहला मैच जीतना बड़ी चुनौती होगी। राजस्थान के तीन बड़े खिलाड़ी जोस बटलर, स्टीव स्मिथ और बेन स्टोक्स चेन्नई के खिलाफ पहले मैच का हिस्सा नहीं होंगे। इंग्लैंड के जोस बटलर ने रविवार को खुलासा किया कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में क्वारैंटाइन में होने की वजह से चेन्नई के खिलाफ टीम के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। राजस्थान रॉयल्स ने सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें बटलर ने कहा, मैं क्वारैंटाइन में वक्त गुजारने के कारण बदकिस्मती से राजस्थान रॉयल्स के लिए पहले मैच में हिस्सा नहीं ले सकूंगा। मैं यहां अपने परिवार के साथ हूं। यह सुखद है कि रॉयल्स ने मुझे अपने परिवार को यहां साथ लाने दिया है। यह एक बड़ी मदद है। राजस्थान के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी चेन्नई के खिलाफ पहले मैच का हिस्सा नहीं रहेंगे। वो अपने पिता के ब्रेन कैंसर का पता चलने के कारण क्राइस्टचर्च में हैं। राजस्थान के कप्तान स्टीव स्मिथ को मैनचेस्टर में नेट प्रैक्टिस के दौरान सिर में चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वे वनडे सीरीजी भी नहीं खेल सके थे।

धोनी उस खिलाड़ी को पसंद करते हैं जो सबकुछ कर सकता है

उन्होंने कहा कि ÷एक बॉलर के लिए कोई भी दिन खराब हो सकता है लेकिन वह एक अच्छा कैच पकड़ कर मैच बदल सकता है÷ चाहर ने यह बात पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के शो में कही है।

चाहर ने कहा की उनकी टीम में बहुत से ऐसे प्लेयर हैं जो हर जगह अच्छा कर सकते हैं।

दिल्ली | एजेंसी।

चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कहा है कि एमएस धोनी ऐसे खिलाड़ियों को मौका देना पसंद करते हैं जो सभी जगह अपना योगदान दे सकें। चाहर चेन्नई के टॉप परफॉर्मर्स में से एक हैं। उन्होंने चेन्नई के लिए अभी तक 17 मैच खेलकर 22 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनकी इकॉनमी 7.63 की रही है।

चाहर ने क्या कहा

चाहर ने कहा मुझे लगता है धोनी उन्हीं खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं जो बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों विभागों में अच्छा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ÷एक बॉलर के लिए कोई भी दिन खराब हो सकता है लेकिन वह एक अच्छा कैच पकड़ कर मैच बदल सकता है÷ चाहर ने यह बात पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के शो में कही है। चाहर ने कहा की उनकी टीम में बहुत से ऐसे प्लेयर हैं जो हर जगह अच्छा कर सकते हैं। उन्होंने कहा टी20 एक ऐसा फॉर्मेट है जहां आपको सबकुछ करना पड़ता है, आईपीएल में बहुत सी टीम हैं जिनके पास बहुत मजबूत बैटिंग और बॉलिंग ऑर्डर है लेकिन वे सारी टीमें हर विभाग में कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर हैं, अगर वे चल गए तो वे आपको अकेले जीता देंगे अगर नहीं चले तो टीम परेशानी में आ सकती है। दीपक चाहर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अबुधाबी में खेले गए आईपीएल के पहले मैच में चार ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

पंजाब ने सिर्फ 3 रन का टारगेट देकर IPL में सुपर ओवर का सबसे छोटा स्कोर बनाया

नई दिल्ली | एजेंसी।

आईपीएल का दूसरा ही मैच रोमांचक रहा। रविवार को दुबई में खेला गया दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब का मैच टाई हो गया और सुपर ओवर में दिल्ली ने पंजाब को हरा दिया। कगिसो रबाडा दिल्ली की जीत के हीरो रहे। उन्होंने सुपर ओवर में सिर्फ 2 रन देकर 2 विकेट लिए। पंजाब ने सुपर ओवर में महज 2 रन बनाए। यह आईपीएल में सुपर ओवर का सबसे छोटा स्कोर था। दिल्ली ने 2 बॉल में ही 3 रन का टारगेट हासिल कर मैच जीत लिया। मैच का स्कोरकार्ड देखने के लिए यहां क्लिक करें...

इससे पहले सुपर ओवर में सबसे कम 6 रन देने का रिकॉर्ड मिशेल जॉनसन और जसप्रीत बुमराह के नाम है। जॉनसन ने 2015 में राजस्थान रॉयल्स और बुमराह ने 2017 में गुजरात लॉयंस के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था। मैच में आईपीएल इतिहास का 10वां सुपर ओवर खेला गया। दिल्ली ने सुपर ओवर में दूसरी बार जीत दर्ज की।

सुपर ओवर में दिल्ली के रबाडा ने 2 विकेट लेकर पंजाब से जीत छीनी

टीम	पहली बॉल	दूसरी बॉल	तीसरी बॉल

सबसे महंगे और सबसे सस्ते खिलाड़ियों की परफॉरमेंस

मैच में दिल्ली के लिए सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत थे। उन्हें दिल्ली ने 15 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। पंत ने संकट में घिरी दिल्ली की पारी को संभाला और 29 बॉल पर 31 रन बनाए। वहीं, दिल्ली के सस्ते खिलाड़ी मोहित शर्मा (50 लाख) मैच में काफी महंगे साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 45 रन देकर 1 विकेट लिया।

वहीं, पंजाब के लिए सबसे महंगे खिलाड़ी कप्तान लोकेश राहुल (11 करोड़) मैच में कुछ खास नहीं कर सके और 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 2 चौके और एक छक्का लगाया। टीम के सबसे सस्ते खिलाड़ी सरफराज खान (25 लाख) सिर्फ 12 रन ही बना सके।

साउथ में हिट फिल्में दे चुकी हैं टीवी की पार्वती सोनारिका भदौरिया

तस्वीरों में सोनारिका का जबरदस्त बोल्ड अंदाज देख फैन्स भी हैरान रह गए। टीवी पर आमतौर पर गर्ल नेक्स्ट डोर और देवी के रोल में नजर आईं सोनारिका भदौरिया का यह अंदाज वैसे काफी दिलकश है। साल 2019 में इश्क में मरजावां में नजर आईं सोनारिका ने अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत 2011 में की थी। उस वक्त टीवी शो तुम देना साथ मेरा में वह नेगेटिव रोल में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने देवों के देव महादेव में माता पार्वती का रोल प्ले किया और यह रोल उनके करियर में टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। सोनारिका को फिर कई टीवी शोज के ऑफर मिले और उन्होंने पृथ्वी वल्लभ-इतिहास भी, रहस्य भी और दास्तान-ए-मोहब्बत सलीम अनारकली जैसे टीवी सीरियल किए। क्या आप जानते हैं कि सोनारिका साउथ की फिल्मों में भी तहलका मचा चुकी हैं? सोनारिका ने 2015 में तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने स्पीडुनोडु नाम की एक तेलुगु फिल्म की, जिसमें उनकी ऐक्टिंग को खूब सराहा गया। उनकी एक और तेलुगु फिल्म ईडो रकम आडो राकाम सुपरहिट रही। साउथ की फिल्मों के बाद सोनारिका ने वापस हिंदी टीवी में कमबैक किया और फिर कुछ टीवी शोज किए। 2018 में सोनारिका टीवी की सबसे चहेती 20 हिरोइनों की लिस्ट में शामिल हुईं। इन दिनों वह सोशल मीडिया पर जबरदस्त ऐक्टिव हैं और अपनी एक से बढ़कर तस्वीरें व वीडियो शेयर करती रहती हैं।

रजनीकांत की फिल्म में विलेन बनेंगे जैकी श्राफ

बॉलीवुड के स्टाइलिश हीरो जैकी श्राफ दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की फिल्म अन्नाथे में विलेन का किरदार निभाते नजर आयेंगे।
रजनीकांत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म %अन्नाथे' को लेकर सुर्खियों में छाए हुए है। हाल ही में इस फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर नया अपडेट सामने आया है। शिवा के निर्देशन में बन रही फिल्म में प्रकाश राज और वेला राममूर्ती जैसे बड़े स्टार्स नजर आने वाले है। बताया जा रहा है कि जैकी श्रॉफ इस फिल्म में विलेन का किरदार निभाने वाले हैं।।जैकी श्रॉफ जनवरी से पहले अपना शूट करेंगे। हालांकि, उनका बाकी का शूट रजनीकांत के साथ जनवरी में होगा।
रजनीकांत ने पहले 50 फीसदी शूटिंग पूरी कर ली है और बचा हुआ शूट वह जनवरी में करेंगे। फिल्म की कहानी रुरल बेस्ड फैमिली पर आधारित होगी। पहले इस फिल्म को दिवाली पर रिलीज किए जाने की योजना थी लेकिन बाद में इसे साल 2021 में पोंगल पर रिलीज करने को कहा गया।

आउट ऑफ लव के दूसरे सीजन के लिए रसिका कर रही हैं तैयारी

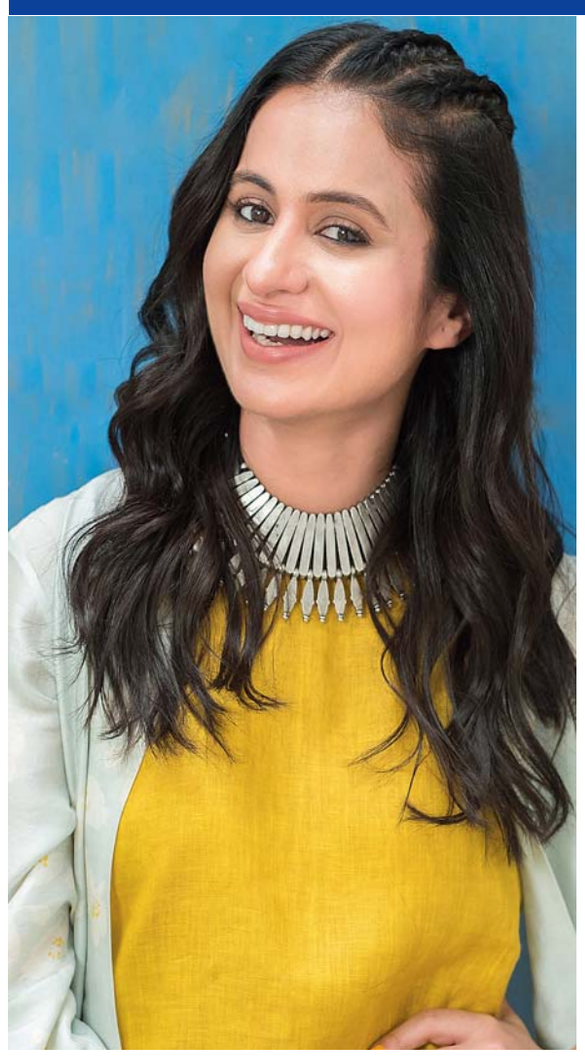

अभिनेत्री रसिका दुग्गल दो महीने के शेड्यूल के लिए जल्द ही तमिलनाडु के कुन्नूर के लिए रवाना होने वाली हैं। यहा वह अपने हिट वेब सीरीज आउट ऑफ लव के दूसरे सीजन की शूटिंग करेंगी। शो के पहले सीजन मे वह एक डॉक्टर मीरा कपूर के किरदार में थीं, जो अपनी जिंदगी में पहले तो काफी खुश दिखाई पड़ती है, लेकिन आगे चलकर उसे अपने पति की बेवफाई का पता चलता है।
शो के दूसरे सीजन में यह दिखाया जाएगा कि किस तरह से मीरा एक सिंगल पेरेंट के रूप में अपनी जिंदगी में आगे बढ़ती है।
इसके बारे में वह कहती हैं, मैं एक ऐसे किरदार को निभाने के लिए काफी उत्साहित हूं जिसके साथ कहानी आगे बढ़ती है और इसके अलावा एक लंबे शूटिंग शेड्यूल के प्रतिबद्धता व दृढ़ता का अनुभव करने के लिए भी बेहद रोमांचित हूं, जहां शो के लगभग हर फ्रेम में आप मौजूद रहते हैं।
इसके अलावा, रसिका मिर्जापुर सीजन 2 और मीरा नायर की फिल्म ए सूटेबल बॉय के रिलीज होने का भी इंतजार कर रही हैं।

इंडियन साइन लैंग्वेज को आधिकारिक भाषा बनाने की जुगत में रणवीर सिंह

भारत के बधिर समुदाय ने अभिनेता रणवीर सिंह द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा(इंडियन साइन लैंग्वेज) को आधिकारिक भाषा बनाने के प्रयास की सराहना की है। रणवीर अधिकारियों से भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को भारत की 23वीं आधिकारिक भाषा के रूप में चिह्नित करने और घोषित करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में इस कार्य के लिए जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक याचिका पर हस्ताक्षर किए। नवजर ईरानी के साथ मिलकर बनाया उनका स्वतंत्र रिकॉर्ड लेबल इंकइंक ने साइन लैंग्वेज म्यूज़िक वीडियो भी जारी किए हैं। ऐसे में भारत में बधिर समुदाय के 25 सदस्यों ने उनके लिए धन्यवाद वीडियो बनाकर, उसके माध्यम से सराहना की। सदस्यों ने कहा, आईएसएल को भारत की 23वीं आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणवीर सिंह के प्रयास के बारे में सुनकर हम बहुत खुश हुए। हमें बहुत खुशी है कि वह इसका समर्थन करते हैं।
उन्होंने आगे कहा, भारतीय सांकेतिक भाषा एक सुंदर भाषा है। हम बधिर समुदाय के प्रति समर्थन दिखाने के लिए रणवीर को धन्यवाद देना चाहते हैं।
अभिभूत रणवीर ने कहा कि उनका स्वतंत्र संगीत लेबल समावेशिता को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है।
रणवीर ने कहा, इंकइंक को कला के माध्यम से समावेशिता को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में बनाया गया है और हम भारतीय साइन लैंग्वेज (आईएसएल) को भारत की 23वीं आधिकारिक भाषा बनाने के लिए गंभीरता से प्रतिबद्ध हैं।
उन्होंने आगे कहा, यह प्रगतिशील कदम शिक्षा से लेकर रोजगार तक, मनोरंजन से लेकर भारत में 1 करोड़ से अधिक बधिर लोगों तक सभी क्षेत्रों में समान पहुंच प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करेगा।

इंटरनेट पर तहलका मचा रही है कैटरीना कैफ की लेटेस्ट तस्वीर

बॉलीवुड इंडस्ट्री की दिल की धड़कन कैटरीना कैफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी अदाओं से फैन्स का दिल जीतती आई हैं। हाल ही में कैटरीना कैफ ने अपनी एक बेहद खूबसूरत फोटो शेयर की। इस फोटो में वह व्हाइट बिकिनी में समुद्र किनारे नजर आ रही हैं। कैप्शन में कैटरीना कैफ ने एक नीले रंग की लहर और नीले रंग का हार्ट इमोजी बनाया है। फैन्स को उनकी यह फोटो काफी पसंद आ रही है। कैटरीना की यह फोटो इंटरनेट पर तहलका मचा रही है। आपको बता दें कि कैटरीना कैफ को बॉलीवुड इंडस्ट्री में लगभग 15 साल हो चुके हैं। इन्होंने अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। काम की ओर सक्रिय और मेहनती होने के नाते कैटरीना कैफ ने दर्शकों के बीच अपनी खास पहनाच बनाई है। कैटरीना का फैशन सेंस भी काबिले-तारीफ है। रोहित शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी में कैटरीना, अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली हैं। यह फिल्म मार्च के महीने में रिलीज होने वाली थी लेकिन लॉकडाउन और थिएटर्स में ताला लगने के कारण पोस्टपोन कर दी गई। हालांकि, अभी तक इस फिल्म की रिलीज को लेकर कोई खबर सामने नहीं आई है।
कैटरीना कैफ आखिरी बार सलमान खान की फिल्म भारत में नजर आई थीं। इस फिल्म में दिशा पाटनी, तबू, जैकी श्रॉफ और सुनील ग्रोवर भी मुख्य किरदार में थे।

पायल घोष के खिलाफ ऋचा चड्ढा लेंगी कानूनी ऐक्शन

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलिवुड में विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। इस वक्त ऐक्ट्रेस पायल घोष का फिल्म मेकर अनुराग कश्यप के ऊपर यौन शोषण के आरोप को लेकर सबसे अधिक चर्चा है। पायल ने यह भी दावा किया था कि कुछ अन्य महिला कलाकारों के साथ भी उनके अंतरंग संबंध रहे हैं। पायल ने अनुराग कश्यर के साथ इस तरह के सम्बंध को लेकर ऋचा चड्ढा का भी नाम लिया। अब ऋचा चड्ढा ने पायल की इन बातों पर अपनी बात रखते हुए एक प्रेस रिलीज़ जारी किया है। यह प्रेस रिलीज़ ऋचा के वकील की ओर से जारी किया गया है, जिसे ऐक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस स्टेटमेंट में लिखा गया है, मेरी क्लाइंट मिस ऋचा चड्ढा का नाम अनावश्यक और गलत तरीके से इस पूरे विवाद में किसी थर्ड पार्टी की तरफ से बेवजह घसीटा जा रहा है । हालांकि मेरी क्लाइंट का मानना है कि अगर किसी के साथ सच में गलत हुआ है तो उस महिला को किसी भी तरह से न्याय मिलना चाहिए। वर्कप्लेस पर महिलाओं का सम्मान और उन्हें बराबरी देने के लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं। इस पोस्ट में आगे लिखा गया है, सभी अधिकारों का किसी भी महिला को दूसरी महिला को हैरेस करने के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। प्रेस रिलीज में इस बात की जानकारी दी गई है कि उन्होंने झूठे आरोपों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और ऋचा सभी कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करेंगी। बता दें कि अनुराग कश्यप ने पायल घोष के यौन शोषण आरोपों को रविवार को खारिज करते हुए इन्हें निराधार करार दिया। घोष ने शनिवार को ट्वीट किया था कि गैंग्स ऑफ वासेपुर के निर्देशक ने उनका यौन उत्पीड़न किया। अभिनेत्री ने अपना ट्वीट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टैग करते हुए कश्यप के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। घोष ने ट्वीट में कहा, अनुराग कश्यप ने मेरे साथ बुरी तरह जबर्दस्ती की। प्रधानमंत्री कार्यालय और नरेन्द्र मोदी जी कार्रवाई कीजिए तथा देश इस रचनात्मक व्यक्ति में छिपे शैतान को देखे। मुझे पता है कि यह मुझे नुकसान पहुंचा सकता है और मेरी सुरक्षा को खतरा है। कृपया मदद कीजिए। वहीं, कश्यप ने सिलसिलेवार ट्वीट कर इन आरोपों को खारिज किया।

सलमान ने रिलीज किया फिटनेस वीडियो

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने अपना फिटनेस वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज किया है। सलमान अपनी फिटनेस को लेकर काफी एक्टिव रहते हैं। वह फैंस को भी फिटनेस पर ध्यान देने की सलाह देते रहते हैं। दंबग स्टार ने हाल ही में अपने ब्रांड बीइंग स्ट्रॉन्ग से परिचित करवाया था। सलमान ने एक वीडियो रिलीज़ किया है जो फिट रहने के लिए वेट लिफ्टिंग और जिम उपकरणों का अधिकतम उपयोग करने वाले सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक है। सलमान ने अपने यूट्यूब चैनल पर यह वीडियो रिलीज़ किया है, जिसमें स्मिथ मशीन के सेट अप के साथ टाइम लैप्स को मशीन के ऊपर एक केबल क्रॉस के मिश्रण के साथ दिखाया गया है और वह इस पर कई प्रकार की वर्क आउट एक्सरसाइज करते हुए नजर आ रहे हैं।यहां सलमान कई तरह की एक्सरसाइज करते दिखाई दे रहे हैं जैसे कि वार्मिंग फॉर शोल्डर रोटेटर कफ, साइड लेटरल राइजिंग, रोइंग, लैट्स पुल डाउन, चेस्ट पुल डाउन, मस्ट्रिंग स्ट्रीच, सिंगल लेग बेंच प्रेस, वेट लेग प्रेस और भी बहुत कुछ शामिल है।

40वें जन्मदिन पर कुछ ऐसी दिख रही हैं बेबो

बेबो ने उम्र का 40वां पड़ाव छू लिया है। बेबो के इस स्पेशल डे और और स्पेशल बनाने के लिए उनका पूरा परिवार मौजूद रहा। सैफ़ अली ख़ान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली ख़ान भी करीना की इस ख़ुशी में शामिल हुईं। बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। उम्र का 40वां पड़ाव वैसे तो किसी के लिए भी ख़ास होता है। मगर, निजी ज़िंदगी में ख़ुशियां देने वाला यह पड़ाव सिनेमा की अदाकाराओं के लिए अवसरों की कमी भी लेकर आता है। हालांकि करीना ने जिस तरह से अपनी फ़िल्मी यात्रा को आगे बढ़ाया है, उससे लगता है कि बेबो कई और यादगार भूमिकाएं करने वाली हैं। बहरहाल, करीना के 40वें बर्थडे पर एक ख़ास तरह का केक बनवाया गया, जिसके बीचोंबीच उनकी जैसी डॉल बनायी गयी थी। इस केक पर लिखा था करीना को 40वें जन्मदिन की बधाई देने के लिए पापा रणधीर कपूर, मम्मी बबीता, बहन करिश्मा कपूर, सैफ़ अली ख़ान, करीना के कज़िन कुणाल कपूर और सारा अली ख़ान भी मौजूद थे। इन तस्वीरों के साथ करिश्मा ने लिखा- बर्थडे गर्ल हम तुम्हें प्यार करते हैं। करिश्मा ने बचपन की एक तस्वीर शेयर करके करीना को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा- हमेशा तुम्हारी रक्षा करती रहूंगी। मेरी लाइफलाइन को 40वां जन्मदिन मुबारक। तुम्हें सबसे अधिक प्यार करती हूं। बता दें कि करीना और करिश्मा बेहद नज़दीक हैं। करीना से 6 साल बड़ी करिश्मा, बेबो को लेकर काफ़ी प्रोटेक्टिव हैं। इससे पहले करीना ने अपने 40वें जन्मदिन को लेकर एक पोस्ट लिखी कि उम्र के 40वें साल में प्रवेश करने के साथ वो अब इत्मिनान से बैठना चाहती हैं। प्यार और ख़ुशी बांटने के साथ प्रार्थना और शुक्रिया अदा करना चाहती हूं कि मुझे वो महिला बनने में मदद की, जो मैं आज हूं। कुछ सही, कुछ ग़लत, कुछ बहुत बढ़िया और कुछ ठीकठाक, लेकिन ठीक है... 40 पर बहुत सारा प्यार। करीना कपूर ख़ान को इंडस्ट्री में 20 साल पूरे हो चुके हैं। उन्होंने जेपी दत्ता की फ़िल्म रिफ्यूजी से बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। यह 2000 की बात है। अपने 20 साल के करियर में करीना ने कई यादगार भूमिकाएं की हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।